हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि लगातार — कवर्धा जिला

कवर्धा के सरकारी स्कूल बिल्डिंग का हाल, बरसात में बच्चों को कक्षाओं में बैठना पड़ेगा छाता लेकर

स्वागत है नौनिहालों....ऊपर प्लास्टर उखड़ चुका नीचे फर्श गायब, खिड़कियां टूटी और दीवारें जर्जर

हरिभूमि न्यूज/कवर्धा। स्कूलों का नया शैक्षणिक सत्र 16 जून से शुरू हो जाएगा, लेकिन यहां पढ़ने वाले छात्र इस सत्र में पुराने और लगभग पूरी तरह खंडहर हो रहे स्कूलों में अपनी पढ़ाई एक बार फिर से शुरू करेंगे। हरिभूमि ने कवर्धा जिले के कुछ स्कूलों का मुआयना किया, तो यह तथ्य निकलकर सामने आया कि इनकी दीवारें कभी भी भर-भराकर गिर सकती हैं। हरिभूमि जब विकासखण्ड पंडरिया की ग्राम ▶▶|शेष पेज 7 पर

बरसात में टकपकती है छत कमरों भरता है पानी

इन जर्जर स्कूल भवनों में अध्यनरत विद्यार्थियों को सबसे ज्यादा परेशानी और समस्याओं का सामना वर्षाकाल के दौरान करना पड़ता है। बताया जाता है कि वर्षाकाल के दौरान इन जर्जर स्कूलों में से कइयों की छत टपकती है, तो कइयों के कमरों में बारिश का पानी घुस जाता है। ऐसी स्थिति में तो कई बार स्कूली बच्चों को स्कूल की कक्षाओं में छाता लगाकर बैठने मजबूर होना पड़ता है। वहीं ▶▶|शेष पेज 7 पर

कई स्कूलों के पास अपना भवन नहीं

बताया जा रहा है कि जिले में कई ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जिनके भवन इतने जर्जर और खस्ताहाल हो चुके हैं कि अब इन स्कूलों के पास अपना भवन भी नहीं रह गया है। स्थिति ये है कि बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे भवन विहीन स्कूलों का संचालन अब गांव के पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा दूसरे स्कूल भवनों में किया जा रहा है। विकासखण्ड पंडरिया के ग्राम भेलकी में संचालित ▶▶|शेष पेज 7 पर

सुरक्षा को मद्देनजर भवन विहीन स्कूलों का संचालन अब गांव के पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा दूसरे स्कूल भवनों में किया जा रहा

स्कूल भवन की दीवारों का पूरी तरह उखड़ चुका है प्लास्टर

मरम्मत के नाम पर नाम मात्र की राशि

इस संबंध में स्कूलों के प्राचार्यों का कहना है कि हर साल शाला मरम्मत सहित स्टेशनरी आदि के लिए राशि आबंटित किए जाने का प्रावधान है और राशि आबंटित भी की जाती है, लेकिन यह राशि इतनी कम होती है कि इससे स्टेशनरी आदि की व्यवस्था ▶▶|शेष पेज 7 पर

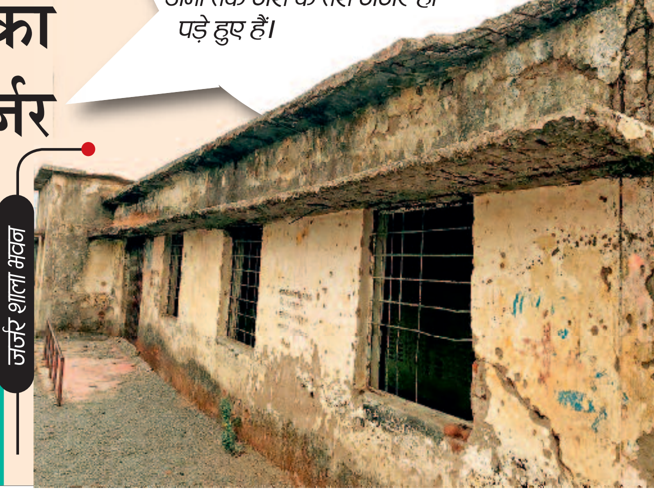

शिफ्ट में लग रहा स्कूल

विकासखंड पंडरिया के ग्राम कुआंमलगी का माध्यमिक स्कूल पूरी तरह से जर्जर होने के कारण मिडिल स्कूल के छात्र-छात्राओं को पढ़ने लिखने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए प्राइमरी स्कूल में 2 शिफ्ट में स्कूल लग रहा है। जिसके मरम्मत की मांग लगातार कई बार कर चुके हैं, यहां तक की अधिकारी नक्शा खसरा भी ले चुके हैं, लेकिन अभी तक जस के तस जर्जर ही पड़े हुए हैं।

हैवी ड्यूटी बॉयो डाईजेस्टर
अन्डरग्राउण्ड सेप्टिक टैंक

GUJRAAJ
9144460000

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
एक्ने स्कार्स परमानेंट रिमूवल
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

रिमांड कोर्ट ने एक दिन के लिए भेजा जेल, आज विशेष कोर्ट में दोबारा किया जाएगा पेश

ईओडब्लू ने शराब कारोबारी भाटिया को दिल्ली में दबोचा, उसके आठ ठिकानों पर छापे भी

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित दो हजार करोड़ के शराब घोटाले में संलिप्त विजय भाटिया को एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। भाटिया को रायपुर लाया गया। अवकाश होने के कारण रविवार को भाटिया को रिमांड कोर्ट में पेश कर एक दिन के लिए जेल भेज दिया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर-भिलाई

खास खबर

सोमवार को उसे एसीबी-ईओडब्ल्यू की विशेष कोर्ट में पेश किया जाएगा। इधर भाटिया की गिरफ्तारी के बाद रविवार की सुबह तड़के एसीबी और ई ओडब्लू की संयुक्त टीम ने भिलाई स्थित उनके निवास, कंपनियों एवं सहयोगियों से संबंधित कुल 8 स्थानों पर तलाशी ली गई, जिसमें इन ठिकानों से महत्वपूर्ण दस्तावेज, निवेश से संबंधित कागजात तथा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स (डिजिटल डिवाइस) ▶▶|शेष पेज 7 पर

सुबह 5 बजे भाटिया के ठिकानों में पहुंची टीम

मिली जानकारी के मुताबिक विजय भाटिया के गिरफ्तारी के बाद दुर्ग-भिलाई के तीन ठिकानों में दबिश देने महिला समेत 7 अधिकारियों की टीम पहुंची थी। उक्त ठिकानों में एसीबी व ईओडब्लू की टीम को विजय भाटिया के मकान से कुछ अहम दस्तावेज भी मिले हैं। दिल्ली में भाटिया के पकड़े जाने के बाद उसे रायपुर लाया गया है, जहां रिमांड कोर्ट में पेश करने ▶▶|शेष पेज 7 पर

जानिए क्या है शराब घोटाला का पूरा मामला

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पहले ईडी ने जांच की। ईडी ने एसीबी में इस पूरे मामले को लेकर एफआईआर दर्ज कराई। दर्ज एफआईर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया। ईडी की ▶▶|शेष पेज 7 पर

सीबीआई ने अफसर को पकड़ा

45 लाख मांगे थे घूस, 25 लाख एडवांस लेते समय दबोचे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सीबीआई की गिरफ्त में इस बार 2007 बैच के वरिष्ठ राजस्व सेवा अधिकारी अमित कुमार सिंघल आ गए। उनके साथ हर्ष कोटक नाम के दलाल भी धरा गया। लंबे समय से दोनों के खिलाफ शिकायत सीबीआई को मिल रही थी। सीबीआई ने जाल बिछाया और सीनियर आईआरएस अधिकारी अमित सिंघल को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया।

सीबीआई की जाल में फंसे भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी ▶▶|शेष पेज 7 पर

रंगे हाथ रिश्वत लेते गिरफ्तार

सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपी निजी व्यक्ति को मोहाली में लोक सेवक के आवास पर आरोपी लोक सेवक की ओर से शिकायतकर्ता से 25 लाख रुपए की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी लोक सेवक को भी नई दिल्ली के वसंत कुंज स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। बाद में, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

खबर संक्षेप

लोस अध्यक्ष ब्रिक्स संसदीय मंच के लिए ब्राजील रवाना

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार को 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लेने के लिए ब्राजील की यात्रा पर रवाना हुए, जहां वह बहुपक्षीय शांति और सुरक्षा ढांचे में सुधार पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। बिरला ब्रिक्स संसदीय मंच के लिए भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, जो 3-5 जून को ब्रासीलिया में आयोजित किया जाएगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित निबंध स्पर्धा

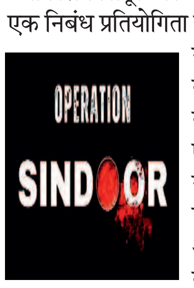

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक निबंध प्रतियोगिता की रविवार को घोषणा की जो एक जून से 30 जून तक आयोजित की जाएगी। शीर्ष तीन विजेताओं को 10,000-10,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। उन्हें दिल्ली के लाल किले में आयोजित होने वाले 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेने का विशेष अवसर मिलेगा।

आफत की बारिश : कुसमुंडा खदान में भरा पानी

135 हजार की जगह 40 हजार टन कोयले का ही उत्पादन

155 की जगह 82 हजार टन कोयला डिस्पैच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

एसईसीएल कुसमुंडा खदान में शनिवार शाम हुई तेज बारिश के कारण जलभराव की स्थिति बन गई। माइंस के अंदर पानी भर जाने से कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ। इस दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत कुछ घंटों तक काम रूका रहा। इसके बाद फिर दोबारा कोयला उत्खनन व डिस्पैच का कार्य शुरू कर दिया गया। हालांकि खदान में सामान्य दिनों की अपेक्षा कम कोयला उत्पादन किया गया।

- खदान में पानी घुसने के बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत कुछ समय तक रोका गया काम

एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में उस वक्त हड़कंप मच गया जब बारिश का पानी खदान में घुसने लगा। देखते ही देखते खदान में चारों ओर पानी ही पानी नजर आने लगा, जिसकी वजह से खदान में लगे सभी वाहन व मशीन बंद कर दिए गए। सुरक्षा कारणों को देखते हुए कुछ समय तक कोयला उत्खनन व डिस्पैच कार्य बाधित रहा। स्थिति सामान्य होने के ▶▶|शेष पेज 7 पर

सामान्य रूप से संचालित हो रही है खदान

एसईसीएल के पीआरओ डॉ.सनीश चंद्र ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें कुसमुंडा खदान माइन रोड हॉल रोड पर तेज प्रवाह से बारिश के पानी का बहाव दिख रहा है। यह वीडियो गाड़ी में बैठे ऑपरेटर या किसी सहकर्मी द्वारा बनाया गया प्रतीत होता है जो ढलान में नीचे से उसपर की और बढ़ रहे थे। यह स्पष्ट करना चाहेंगे कि कुसमुंडा खदान सामान्य रूप से संचालित हो रही है। कल खदान से 40 हजार टन कोयला निकाला गया है, वहीं लगभग 80 हजार टन कोयला प्रेषित किया गया है। बारिश के दिनों में खुली खदानों से उत्पादन प्रभावित होता है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

पिछली बारिश में इंजीनियर की हुई थी मौत

उल्लेखनीय है कि तेज बारिश के दौरान कर्मचारियों और मशीनों की सुरक्षा के लिए सेफ्टी प्रोटोकॉल के तहत काम कुछ समय के लिए रोका जाता है। पिछले साल इसी खदान में बारिश के दौरान एक इंजीनियर की मौत हो गई थी। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि खदान बंद नहीं है। तीनों पालियों में कोयला उत्पादन जारी है। हालांकि बारिश के दिनों में खुली खदानों से उत्पादन प्रभावित होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने हॉस्टल वार्डन को किया बरी

किसी की डांट खुदकुशी की वजह नहीं हो सकती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक छात्र को डांटकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपी शख्स को बरी कर दिया है। आरोपी, एक स्कूल और एक छात्रावास का प्रभारी था, जिसने एक अन्य छात्र की शिकायत पर दूसरे छात्र को डांटा था, जिसने बाद में एक कमरे में फांसी लगा ली। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता था कि डांटने के कारण ऐसी दुखद घटना घट सकती है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

पीठ ने कहा- शिकायत पर डांटना गलत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्र की शिकायत पर डांटना एक उपचारात्मक उपाय है, जिससे लगे की शिकायत पर ध्यान दिया गया। आरोपी के वकील ने कहा कि डांट एक अभिभावक के तौर पर थी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मृतक दोबारा गलती न करे।

याचिकाकर्ता की ऐसी दलील

याचिकाकर्ता ने अपने वकील के माध्यम से प्रस्तुत किया था कि उसकी प्रतिक्रिया उचित थी। यह केवल एक अभिभावक के रूप में डांट-फटकार थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र गलती को दोबारा न दोहराए और छात्रावास में शांति और सौहार्द्र बनाए रखे। उसने प्रस्तुत किया था कि उसके और मृतक छात्र के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी की थी टिप्पणी

- दिसंबर 2024 में कोर्ट ने कहा था कि आत्महत्या के लिए किसी को दोषी ठहराने के लिए पुख्ता सबूत जरूरी हैं, सिर्फ प्रताड़ना के आरोप पर्याप्त नहीं हैं।
- 2021 में भी सुप्रीम कोर्ट ने एक केस में फैसला सुनाते हुए कहा था कि बार-बार अनुशासन के लिए डांटना शिक्षक की जिम्मेदारी है और अगर छात्र इससे आहत होकर आत्महत्या कर ले, तो उसे उकसाने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

महाराष्ट्र के गोडरी गांव में शिवनाथ नदी का उद्गम स्थल सिर्फ एक प्राकृतिक धरोहर नहीं, बल्कि रहस्यों, आस्था और प्रेम की एक जीवंत कहानी भी है। यहां के हर पत्थर, हर बूंद और हर पेड़ के पीछे एक दास्तां छिपी है जो पीढ़ियों से ग्रामीणों के दिलों में बसती आई है। यहां पर चमत्कारी पल्सा का वृक्ष प्रकृति का रहस्य है या ईश्वरीय संकेत, यह आज भी इस स्थल के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है।

शिवनाथ नदी जहां जन्म लेती है, वहां एक अद्भुत प्रेमगाथा भी लेती है सांसें

पांच पत्तों वाला वृक्ष किस्मत वालों को ही आता है नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मोहला

शिवनाथ नदी की गोद में बसा गोडरी गांव एक ऐसा स्थल है, जहां पल्सा का एक विचित्र किंतु चमत्कारी वृक्ष स्थित है। आमतौर पर पल्सा के पेड़ों में तीन या चार पत्तियाँ होती हैं। लेकिन यहां एक विशेष पेड़ ऐसा है जिसके पत्ते पांच होते हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यह कोई सामान्य वृक्ष नहीं, बल्कि किसी दैवीय शक्ति का प्रतीक है। यह पांच पत्तों वाला पल्सा का पत्ता किस्मत वालों को ही नजर आता है। कई श्रद्धालु इसे अपने जीवन में आने वाले शुभ संकेत के रूप में देखते हैं। वर्षों से यह पेड़ श्रद्धालुओं, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

शिवनाथ और सुखवनतीन के अमर प्रेम की कथा

गोडरी की पहचान केवल इस चमत्कारी पेड़ तक सीमित नहीं है। यहाँ की हवाओं में आज भी गूंजती है शिवनाथ और सुखवनतीन की प्रेमगाथा। एक ऐसी दास्तान जो वक्त के थपेड़ों में भी नहीं मिटी। ग्रामीणों की जुबानी यह कहानी कुछ इस प्रकार है शिवनाथ, एक बलशाली और स्वाभिमानी युवक था। वहीं सुखवनतीन, सौंदर्य और संवेदनाओं की मूर्ति, टिपागढ़ राजघराने के साथ भाइयों की एक लाड़ली बहन थी। दोनों की मुलाकात गोडरी के इसी इलाके में हुई थी। कहते हैं कि उनके प्रेम ने प्रकृति को भी हिला दिया। जब उनके भाइयों ने उनकी राहों में दीवारें खड़ी कीं, तो उन्होंने अपनी आत्माओं को एक कर दिया और वहीं से एक खेत से फूटी शिवनाथ नदी की धारा, जो आज भी बह रही है, उनके प्रेम की साक्षी बनकर।

एक स्थल, कई रहस्य-

गोडरी न केवल इन कथाओं का केंद्र है, बल्कि यहां कई ऐसे रहस्य हैं जो आज भी अनसुलझे हैं। कुछ स्थानों पर बिना किसी स्पष्ट स्रोत के जलस्रोत बहते हैं, तो कुछ स्थानों पर पत्थरों पर अद्भुत आकृतियाँ उभरती हैं, जिन्हें ग्रामीण चमत्कार मानते हैं। कुछ श्रद्धालु इस स्थल को तीर्थ मानकर यहां मन्नतें मांगते हैं। वे मानते हैं कि शिवनाथ और सुखवनतीन की आत्माएं आज भी इस धरती पर है। सच्चे प्रेमियों का मार्गदर्शन करती हैं।

सरकार और शोधकर्ताओं से उम्मीद

ग्रामीणों और इतिहासकारों की अपेक्षा है कि इस स्थान पर गहन शोध हो, ताकि इसके प्राकृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को दुनिया के सामने लाया जा सके। यह न केवल एक पर्यटन स्थल बन सकता है, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी साबित हो सकता है। जहां एक पांच पत्तों वाला पल्सा सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि आस्था का प्रतीक है। जहां शिवनाथ और सुखवनतीन की प्रेमकहानी आज भी लोगों के दिलों को छूती है। यह वह स्थान है जहाँ नदी बहती नहीं, एक प्रेमकथा सुनाती है।

खबर संक्षेप

मानसून आने से पहले बांधों में पानी की आवक शुरू

धमतरी। इस साल का मौसम गजब ढा रहा है। जिला बनने के बाद यह पहली मर्तबा है जब जून माह लगने से पहले महानदी परियोजना के दो बांधों में पानी की आवक शुरु हो गई है। रविवार को गंगरेल बांध में 487 क्यूसेक तथा माड़मसिल्ली बांध में 341 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की गई है। सिंचाई विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगरेल बांध में कुल जलभराव 13.551 टीएमसी है। यहां उपयोगी पानी 8.444 टीएमसी है। बांध से 357 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है जबकि आवक 487 क्यूसेक दर्ज की गई है। माड़मसिल्ली बांध का पानी पूरी तरह से सूख चुका था। अब यहां पानी की आवक शुरु हो गई है। रविवार को . 31 टीएमसी पानी की आवक हुई है। रविवार को माड़मसिल्ली में 341 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की गई है।

राहगीरों से लूटपाट करने वाले धरे गए

भिलाई। राहगीरो से मोबाइल लूटपाट करने वाले दो युवक और दो अपचारी बालको को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि दलबीर भवन नंदनी रोड छावनी निवासी अमित सिंह मेहरा 5 मई की रात गोडवाना भवन के सामने से खुर्सीपार में 4 युवक पहुंचे। पीड़ित को रोक कर मोबाईल फोन, आधार कार्ड, वाहन की चाबी को लूटकर फरार हो गए। पुलिस में घटना की शिकायत करने पर आरोपियों की तलाश में जुट गई। खुर्सीपार थाना प्रभारी वंदिता पनिकर ने टीम बनाकर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगालना शुरु किया। संदेहियो से पुछताछ करने पर डबरा पारा ओवर ब्रीज के पास वाहन चेकिंग के दौरान सुचना मिलने पर युवको को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

सन् 2019 से फरार गांजा तस्कर दिल्ली से गिरफ्तार

पिथौरा (ग्रामीण)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और पिथौरा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए वर्ष 2019 से फरार चल रहे अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहम्मद दानिश, निवासी पुराना मुस्तफाबाद, गोकलपुर, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली को दिल्ली से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मिली जानकारी अनुसार 28 मई 2019 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक स्कोडा कार क्रमांक डीएल 1 सीएम 0940 को पकड़ने की कोशिश की थी, जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा परिवहन की जा रही थी। पुलिस को देखकर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया था। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की से 150 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। इस संबंध में अपराध दर्ज कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

विरोध : निकाली गई रैली, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जीएसटी की कार्रवाई के खिलाफ शहर में स्वस्फूर्त बंद रहीं दुकानें

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

जीएसटी की कार्रवाई के खिलाफ व्यापारी वर्ग एक जुट हो गया है। शहर में व्यवसायियों के यहां लगातार पड़ रहे छापों के खिलाफ व्यवसायी लामबंद होकर सड़क पर उतर आए। इस दौरान सरगुजा व्यापारी संघ द्वारा किए शहर बंद का खासा असर देखने को मिला। महासंघ के इस बंद को कांग्रेस का भी समर्थन मिला। व्यवसायियों ने स्व स्फूर्त अपनी दुकानें बंद रखी और जीएसटी की कार्रवाई का विरोध जताया। इस दौरान उन्होंने जीएसटी विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रविवार बाजार का दिन होने के बाद भी दुकानें बंद रहने से करोड़ों का व्यवसाय प्रभावित हुआ है। विरोध प्रदर्शन के बाद सरगुजा व्यापारी महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

■ दिनभर में करोड़ों का कारोबार हुआ प्रभावित

बता दें कि सरगुजा में विगत एक वर्ष से जीएसटी विभाग द्वारा बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जीएसटी मिस मैच और जीएसटी चोरी की शंका के आधार पर छापामार कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से सरगुजा के व्यवसायियों में हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच 30 मई को जीएसटी द्वारा मेसर्स लक्ष्मी ट्रेडर्स में छापा मारा गया था। दिनभर चली कार्रवाई के बाद अधिकारी पुनः 31 मई को व्यवसायी के संस्थान में कार्रवाई करने पहुंच गए।

रैली के बाद सौंपा ज्ञापन

जीएसटी के खिलाफ शहर बंद के दौरान सरगुजा व्यापारी महासंघ ने शहर में रैली निकाली। रैली शहर के अग्रसेन भवन से शुरू हुई जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए घड़ी चौक पहुंची। इस दौरान उन्होंने जीएसटी अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन के बाद महासंघ ने सीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान विरोध प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों का कहना था कि विगत एक वर्ष से जीएसटी द्वारा शहर में छापामार कार्रवाई की जा रही है। संघ का सर्वे और कार्रवाई को लेकर कोई विरोध नहीं है। लेकिन कार्रवाई के नाम पर जिस तरह व्यवसायियों को प्रताड़ित किया जा रहा है और उन्हें चोर साबित किया जा रहा है यह गलत है। जीएसटी कलेक्शन में छत्तीसगढ़ देश में पहले नम्बर पर है।

ये है मांगें

सरगुजा व्यापारी संघ ने सीएम विष्णुदेव साय के नाम ज्ञापन सौंपने के साथ ही आरोप लगाया है कि जीएसटी के अधिकारी कर्मचारियों की कार्यशैली से व्यापारी प्रताड़ित है। जीएसटी की प्रक्रिया काफी जटिल है जिसका अनुचित लाभ उठाकर विभाग अधिकारी व्यापरियों के साथ चोरों जैसा अपराधिक व्यवहार कर रहे है। संघ का कहना है कि व्यापारी वर्ग का राजकीय कोष में अहम योगदान रखता फिर भी हमारे साथ नाइंसाफी की जाती है। छोटे से छोटी त्रुटि पर ब्लैकमेल की स्थिति निर्मित कर अवैध उगाही की जाती है अनर्गल आरोप लगाये जाते है। समाज में बदनामी की जाती है। वास्तविकता यह है कि हम लोग सरकार के साथ सहयोग की भावना रखते है। टैक्स प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सरल बनाने की अपेक्षा रखते है।

कैट और चेंबर ऑफ कॉमर्स अलग

जीएसटी के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शन के बाद अचानक से कैट और चेंबर ऑफ कॉमर्स ने इससे दूरी बना ली। शनिवार को आंदोलन और बंद के निर्णय का नेतृत्व कैट और चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने ही किया था। शहर में भ्रमण कर लोगों से बंद का आह्वान किया। इधर रविवार को सरगुजा व्यापारी महासंघ के बैनर तले चल रहे प्रदर्शन के दौरान कैट और चेंबर ऑफ कॉमर्स ने खुद को नगर बंद और विरोध प्रदर्शन से अलग कर लिया। इसे लेकर कैट के प्रदेश उपाध्यक्ष रविन्द्र तिवारी ने बताया कि आंदोलन का राजनीतिकरण हो गया जिसके बाद पदाधिकारियों ने इस आंदोलन से अलग होने का निर्णय लिया है।

रेत से भरे हाईवा की चपेट में आए

सड़क हादसे में दादा और पोते की दर्दनाक मौत

गंडई पंडरिया। गंडई के रपटा पुल के पास हुए एक भीषण सड़क हादसे में बीमार बेटी से मिलकर घर लौट रहे दादा और उनके 10 वर्षीय पोते की निर्मम मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि पोते का सिर रेत से भरे हाईवा के चक्के के नीचे आ गया और शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। हादसे में पोते का भेजा भी बाहर आ गया। हादसे में दादी बाल-बाल बच गई। जिनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया था।

बेमेतरा जिले के ग्राम पदमी निवासी परमेश्वर निर्मलकर (50 वर्ष), उनकी पत्नी श्रीमती इंद्राणी निर्मलकर (45 वर्ष) और पोता डिकेश निर्मलकर (10 वर्ष) 31 मई को मानपुर लमरा में अपनी बीमार बेटी गायत्री निर्मलकर का हालचाल जानने गए थे। एक दिन रूकने के बाद वे 1 जून की सुबह अपनी बाइक से वापस घर लौट रहे थे। सुबह करीब 7.30 बजे जब वे गंडई के रपटा पुल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे एक रेत से भरे हाईवा वाहन (क्रमांक सीजी-07-बीपी-7595) ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दादी उछलकर दूर जा गिरी। जबकि दादा और पोता हाईवा के पहियों के नीचे आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद हाईवा चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही लमरा मानपुर से पीड़ित परिवार की बेटी और अन्य परिजन गंडई अस्पताल पहुंचे और हाईवा चालक को पकड़ने के लिए लगातार दबाव बनाया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

1 जून से शुरू होना था चावल उत्सव

81 लाख हितग्राहियों को बांटना है तीन माह का चावल, इधर संचालक आज तक हड़ताल पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में 1 से 7 जून तक 'चावल उत्सव' के आयोजन के बीच राशन दुकानदारों ने अपनी पुरानी मांगों को लेकर 2 जून तक दुकानें बंद करने कर ऐलान किया है। केंद्र के बराबर 90 रुपए प्रति क्विंटल कमीशन, 1 प्रतिशत क्षतिपूर्ति, रोके गए सभी भुगतान शीघ्र कराने और छत्तीसगढ़ राज्य की सभी योजनाओं में कमीशन वृद्धि की मांग की है। शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता संघ ने 7 बिंदुओं का मांग पत्र जिला प्रशासन को सौंपा है।

1 अक्टूबर 2024 को शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की थी, जिसमें 7 बिंदुओं के तहत मांग की थी। खाद्य विभाग ने सभी मांगें पूरी करने की आश्वासन दिया था, उसके बाद हड़ताल खत्म कर दी गई थी। 8 माह बीतने के बावजूद लंबित भुगतान नहीं दिया गया है। अब फिर से अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने जिला बस्तर ने घोषणा की है। उनके समर्थन में शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष देवर्ष भाई सापरिया ने प्रदेश स्तरीय वर्चुअल बैठक बुलाई, जिसमें सभी संभाग के पदाधिकारी ने भाग लिया।

चावल पर 30, शक्कर-चना पर 5 रुपए कमीशन

बताया गया है कि 2005 में तत्कालीन रमन सरकार के समय चावल वितरण 30 रुपए, शक्कर और चना वितरण का 5 रुपए कमीशन दिया जाता था, वही आज भी दिया जा रहा है। रिफाइनरी, अमृत नमक, मध्याह्न भोजन, पूरक पोषण आहार, अन्नपूर्णा योजना, निशक्त योजना के तहत बेगारी से वितरण कराया जाता है। इस वजह से 2 जून तक छत्तीसगढ़ की सभी राशन दुकानें बंद करने निर्णय लिया गया है।

एकमुश्त बांटना है तीन माह का चावल

उल्लेखनीय है कि चावल उत्सव के दौरान प्रदेश के 81 लाख से अधिक राशन कार्डधारी परिवारों को जून, जुलाई एवं अगस्त तीनों माह का चावल एकमुश्त वितरित किया जाएगा। राज्य शासन ने इस उद्देश्य से प्रदेश की 13,928 उचित मूल्य दुकानों को चावल का आवंटन जारी कर दिया है। सभी दुकानों में चावल का भण्डारण किया जा चुका है, जिससे दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों तक समय पर खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

मांग पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल

राशन विक्रेताओं का कहना है कि सभी योजनाओं चावल, शक्कर, नमक, चना वितरण में केंद्र के बराबर 90 रुपया प्रति क्विंटल कमीशन और सभी रुके हुए भुगतान नवंबर 2018 से 2025 तक बारदाने की राशि, ई-पास, वित्तीय पोषण की राशि प्रदान करने की मांग के समर्थन में 2 जून तक सभी राशन दुकानें बंद करने निर्णय लिया गया है और छत्तीसगढ़ राज्य के सभी दुकानदारों को अपील की है कि सभी दुकानें इस मांग के समर्थन में 2 जून तक बंद रखें। अगर सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो आगे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने निर्णय लिया जाएगा।

माओवादियों की टीसीओसी के तीन माह गुजरे, नहीं जुड़े स्थानीय युवक

कांकेर। नक्सली मार्च में महिला दिवस के बाद से चलाए जाने वाले टीसीओसी याने टैक्टिकल काउंटर ऑफेंसिव कैंपेन की शुरुआत करते है और जून माह में खत्म होता है। टीसीओसी मार्च में शुरू करते है, परंतु इसकी तैयारी जनवरी से कर देते थे। जनवरी और फरवरी में गाँव गाँव बैठक लेकर संगठन के खिलाफ काम करने वालों को चिन्हांकित कर सजा देते थे, जिससे गाँव गाँव में भयबना रहता था। टीसीओसी के तीन माह गुजर गए, परंतु नक्सलियों का मूवमेंट नहीं दिख रहा है। तेंदूपत्ता में आग लगाने की घटनाओं को पुलिस नक्सली घटना नहीं मान रही है और आग की घटनाओं के सबूत पुलिस खंगालने में लगी हुई है।

■ पुलिस की जंगल में लगातार गश्त जारी, बना हुआ है दबाव

कांकेर जिले में माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच चल रही जंग से ज्यादातर इलाकों में युद्ध जैसे ही हालात बन हुए थे। मुठभेड़, बम विस्फोट, हत्याओं के बीच माओवादी हर साल रणनीतिक फेरबदल करते रहते है। सामान्यतया माओवादी मार्च में महिला दिवस के बाद से चलाए जाने वाले टीसीओसी की शुरुआत जनवरी और फरवरी माह से करते है, यह दो माह तैयारी करते है, उसे मार्च से लेकर जून तक अंजाम देते रहे है।

धान का समय पर उठाव करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी : हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

इस वर्ष खरीदे गए धान उठाव नहीं होने से खुले में पड़ा धान सूख रहा है साथ ही वजन और गुणवत्ता भी घट रही है। धान की बर्बादी को देखते हुए समिति के प्रबंधकों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं लगाई थीं। जस्टिस राकेश मोहन पाण्डेय की सिंगल बेंच ने अपने फैसले में कहा कि धान का समय पर उठाव करना राज्य सरकार की जिम्मेदार है। समितियों को आदेश की कापी के साथ केन्द्र और राज्य सरकारों को अभ्यावेदन देने को कहा। साथ ही संबंधित अधिकाारियों को 90 दिनों के भीतर विचार कर निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

प्रदेश की 20 से अधिक सहकारी समितियों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं लगाई थीं। याचिकाओं में बताया कि उन्होंने सरकार की नीतियों के अनुसार धान खरीदा था। पहले उठाव की अंतिम तारीख 31 जनवरी 2025 तय की गई थी। बाद में 19 और फिर 28 फरवरी 2025 तक बढ़ाया गया। इसके बावजूद धान का पूरा उठाव नहीं हुआ। कई केन्द्रों में धान खुले में पड़ा है। समितियों के पास सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था न होने के कारण धान को बारिश, गर्मी, कीट और पक्षियों से नुकसान हो रहा है। साथ ही धान की गुणवत्ता में भी लगातार गिरावट हो रहा है। समितियों ने हाईकोर्ट से सरकार को बाकी धान उठाने, उठाव में देरी और पर्यावरणीय कारणों से हुई मात्रा की कमी का समायोजन करने के निर्देश देने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि पहले की नीतियों में ऐसी स्थिति में 1-2 प्रतिशत ड्राइज भत्ता दिया जाता था, लेकिन इस बार कोई स्पष्ट नीति नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि बारिश का मौसम नजदीक है। ऐसे में नुकसान बढ़ सकता है। केन्द्र और राज्य सरकारें मिलकर इस पर नीति बनाएं।

आरएसएस मुख्यालय आमंत्रण पर पूर्व केंद्रीय मंत्री को मीडिया के समक्ष देनी पड़ी सफाई

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और आदिवासी समाज के बीच की दूरी को कम करने का प्रयास करूंगा : नेताम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं बस्तर के वरिष्ठ आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने रविवार को एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय नागपुर में आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है और इस आमंत्रण को उन्होंने स्वीकार भी किया है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर पिछले दिनों से चल रही चर्चाओं के चलते मुझे इस बात की जानकारी देना आवश्यक हो गया है कि मेरे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बीच क्या संबंध है। मेरे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कोई संबंध नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वार्षिक उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अपने आदिवासी समाज के प्रतिनिधि के रूप में समाज के हितों को रखूंगा। देश में भारतीय जनता पार्टी का शासन है। शासन की नीति में किसी भी तरह का प्रभाव डालना है तो उसके पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वीकृति भी आवश्यक जान पड़ती है, उन्हें जो अवसर मिला है उसका सदुपयोग करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और आदिवासी समाज के बीच की दूरी को कम करने एवं सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करेंगे।

श्री नेताम कहा कि उनके विभिन्न राजनीतिक दलों से संबंध रहे हैं। जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत रायपुर आए थे। उस दौरान उनसे पहली बार मुलाकात हुई थी। मोहन भागवत से कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और आदिवासी समाज के बीच जो दूरी है उसे दूर करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक के हिंदुत्ववादी विचारधारा में कुछ परिवर्तन करना होगा।

आरएसएस व आदिवासी समाज का फासला खत्म नहीं हो सकता

नेताम ने कहा आरएसएस हिन्दू समाज को लेकर बात करती है। ऐसे में आरएसएस को आदिवासी समाज को समझने में मेहनत करनी पड़ेगी। आरएसएस और आदिवासी समाज का वैचारिक फासला कम किया जा सकता है, पर कभी खत्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि आरएसएस के किसी भी कार्यक्रम में नामी गिरामी लोगों को बुलाया जाता है। इस बार अरविंद नेताम को मुख्य अतिथि के रूप में आरएसएस ने नागपुर में बुलवाया है। उन्होंने कहा कि वे कार्यक्रम में सिर्फ आदिवासियों से संबंधित बात ही रखेंगे।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ऐसी रही

करेंगुट्टा मुठभेड़

ऑपरेशन सिंदूर की वजह से जवानों को लौटना पड़ा

मुकाबला चला 21 दिन, 1200 वर्ग किमी की सर्चिंग

31 मार गिराए, हथियार फैक्ट्री, बंकर बरामद, 18 आईईडी ब्लास्ट में 10 से ज्यादा जवान भी जख्मी

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

पाकिस्तान के आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में हमला नहीं किया गया होता तो अब तक ऑपरेशन करेंगुट्टा हिल्स में मिलिट्री बटालियन चीफ बारसे हिड़मा समेत कई शीर्ष नक्सलियों को मुठभेड़ में सुरक्षाबल मार गिराने में सफल रहती। 21 मई से 21 दिन तक चले अब तक के सबसे बड़े एंटी नक्सल आपॅरेशन ▶▶|शेष पेज 7 पर

गुफा व सुरंगों में फंसे थे नक्सली

आईजी ने बताया कि ऑपरेशन करेंगुट्टा के दौरान सुरक्षाबलों द्वारा 21 अप्रैल से 21 दिन तक चले नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए सबसे बड़े एंटी नक्सल ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने डेढ़ करोड़ से अधिक के ईनामी 31 वर्दीधारी नक्सलियों को ढेर कर दिया था। इस दौरान फोर्स ने नक्सलियों के चक्रव्यूह को तोड़ते हुए 450 से अधिक आईईडी व 818 नग बीजीएल सेल बरामद कर करेंगुट्टा ▶▶|शेष पेज 7 पर

ऑपरेशन करेंगुट्टा हिल्स से ग्रामीणों में खुशी

21 अप्रैल से 11 मई 2025 के बीच 21 दिन तक नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के बाद इस क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों में खुशी नजर आ रही है और फोर्स के प्रति ग्रामीणों में विश्वास बढ़ा है। इस आपरेशन के समाप्त होने के बावजूद अब भी क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए सैकड़ों की संख्या में आईईडी ▶▶|शेष पेज 7 पर

आईजी ने कहा, समय से पहले ही बंद करना पड़ा ऑपरेशन

आईजी सुंदरराज पी ने हरिभूमि से चर्चा में ऑपरेशन करेंगुट्टा की जानकारी देते हुए बताया कि किसी कारणवश ऑपरेशन करेंगुट्टा को समय से पूर्व बंद करना पड़ा। 60 किमी लम्बी व 5 किमी से लेकर 20 किमी चौड़ी करेंगुट्टा हिल्स की घेराबंदी करने के बाद सुरक्षाबलों ने 12 सौ वर्ग किमी की सर्चिंग पूरी कर ली थी। इस दौरान नक्सलियों से दर्जनों बार मुठभेड़ हुई, इस दौरान सुरक्षाबलों ने ▶▶|शेष पेज 7 पर

आगे भी जारी रहेगा ऑपरेशन

नक्सलियों के खिलाफ करेंगुट्टा हिल्स में चलाए गए अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन के दौरान 12 सौ वर्ग किमी की सर्चिंग सुरक्षाबलों द्वारा पूरी कर ली गई है। हम दावा नहीं कर रहे है कि पूरी तरह इलाके को आईईडी व नक्सलमुक्त कर लिया गया है। लेकिन आगे भी हम नियमित प्रक्रिया जारी रखते हुए ऑपरेशन व सर्चिंग जारी रखेगें। जल्द ही पूरे इलाके को माओवादियों से मुक्त कर लिया जाएगा इसके लिए हम प्रयासरत है।

- सुंदरराज पी
आईजी, बस्तर

- जवानों के हौसले को देखकर नक्सली परास्त
- कई ईनामी नक्सली मारे गए, कई फरार

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पंजाब फाइनल में बेंगलुरु से होगा खिताबी मुकाबला

अहमदाबाद। कप्तान श्रेयस अय्यर की शानदार पारी के दम पर पंजाब किंग्स ने रविवार को बारिश से बाधित दूसरे क्वालिफायर मैच में मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हरा दिया। पंजाब को जीत के लिए 204 रन चाहिए थे जो उसने 19 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। अब ये टीम तीन जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ फाइनल खेलेगी। अय्यर तीन टीमों को फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान भी बन गए हैं। इससे पहले वह दिल्ली कैपिटल्स (2020), कोलकाता नाइट राइडर्स (2024) और अब पंजाब को फाइनल में ले गए। मुंबई ने आखिरी ओवरों में नमन धीर की 18 गेंदों पर नाबाद 37 रनों की पारी और सूर्यकुमार यादव के अहम समय पर बनाए गए 44 रनों के दम पर 20 ओवरों में छह विकेट खोकर 203 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

4 एयरबेस पर यूक्रेन का ड्रोन अटैक, रूस में मची अफरा-तफरी

हवा में उड़ते ही गिरा दिए, रूस के 40 'फाइटर प्लेन' पर यूक्रेन का बड़ा हमला

एजेंसी ▶▶| कीव

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध अब तकनीक की जंग बन गया है। रूस द्वारा यूक्रेनी शहरों पर लगातार हो रहे मिसाइल हमलों का यूक्रेन ने अब बेहद आक्रामक और चौंकाने वाला जवाब दिया है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी एसबीयू ने दावा किया है कि उनके ड्रोन ऑपरेशन में रूस के 40 से ज्यादा लड़ाकू और बमवर्षक विमान तबाह कर दिए गए हैं। इनमें रूस के सबसे हाईटेक और कीमती विमानों में गिने जाने वाले ए-50, टीयू-95 और टीयू-22एम3 जैसे विमान शामिल हैं।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि उसने एक विशेष ऑपरेशन के तहत रूस के पीछे स्थित एयरबेसों पर हमला कर 40 से अधिक रणनीतिक बमवर्षक विमानों को निशाना बनाया है। सूत्र ने कहा कि दुश्मन के बमवर्षक अब सामूहिक रूप से जल रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन उन विमानों के खिलाफ है जो हर रात यूक्रेनी शहरों पर बमबारी करते हैं।

हमले का सबसे प्रमुख लक्ष्य रूस के इरकुत्स्क क्षेत्र में स्थित बेलाया एयरबेस रहा, जो यूक्रेन की सीमा से करीब 4,000 किलोमीटर दूर है। इस एयरबेस पर हुए हमले की पुष्टि खुद इरकुत्स्क के गवर्नर इगोर कोबज़ेव ने की। हालांकि उन्होंने ज्यादा जानकारी नहीं दी, साथ ही, मुरमांस्क ओब्लास्ट के ओलेन्या एयरबेस में भी आग लगने की खबरें हैं, जहां गवर्नर आंद्रेई चिबिस ने ड्रोन हमले की पुष्टि की है।

- रूस के बेलाया और ओलेन्या एयरबेस पर हमले का दावा
- रात में बमबारी करने वालों विमानों पर यूक्रेनी जवाब

कौन-कौन से विमान हुए तबाह?

इस ऑपरेशन में रूस के ए-50, टीयू-95 और टीयू-22एम3 जैसे विमानों को निशाना बनाया गया।

ए-50 विमान रूस के लिए बेहद अहम है क्योंकि यह दुश्मन की एयर डिफेंस, मिसाइलों और फाइटर जेट्स की पहचान करने और लक्ष्य तय करने में मदद करता है। इसकी कीमत करीब 350 मिलियन डॉलर है और रूस के पास इसकी संख्या बेहद सीमित है।

टीयू-95 एक पुराना लेकिन खतरनाक बमवर्षक है जो परमाणु और क्रूज मिसाइलें ले जाने में सक्षम है।

टीयू -22एम3 एक सुपरसोनिक बमवर्षक है जो 4,000 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। इसे गिराने के लिए अमेरिका का पैट्रियट या यूरोपीय एसएएमपी-टी सिस्टम चाहिए।

इधर, खाना लेने जा रहे फलस्तीनियों पर गोलीबारी 31 की मौत

रफह। गाजा पट्टी में खाद्य सामग्री लेने के लिए सहायता केंद्र जाते समय कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजराइली बलों ने इजराइल समर्थित संस्था द्वारा संचालित सहायता स्थल से लगभग एक किलोमीटर (1,000 गज) दूर भीड़ पर गोलीबारी की। सेना ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर कहा कि उसे मानवीय सहायता वितरण स्थल के भीतर (इजराइली सेना की) गोलीबारी से हुई हानि के बारे में जानकारी नहीं है। मामले की अभी समीक्षा की जा रही है। 'गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन' द्वारा सहायता आपूर्ति का वितरण किए जाने के दौरान अराजकता की स्थिति रही है। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इजराइली सैनिकों ने सहायता वितरण स्थलों के पास भीड़ पर गोलीबारी की। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, रविवार से पहले कम से कम छह लोग मारे गए तथा 50 से अधिक घायल हो गए।

वन अमले ने किया रेस्क्यू

व्यवसायी के बाथरूम में घुस गया तेंदुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

बिरगुड़ी वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोनामगर में तेंदुआ दिनभर चर्चा का विषय बना रहा। दरअसल एक किराना व्यवसायी के घर के बाथरूम में तेंदुआ घुस गया। सूचना पर वन अमला मौके पर पहुंचा और तेंदुआ को निकाला। इसका नजारा देखने गांव के लोग घरों की छत पर जमे रहे।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनामगर के छिपलीपारा के किराना व्यवसायी उत्तम साहू के घर के अंदर बाथरूम में तेंदुआ घुस आया था। बाथरूम का दरवाजा बंद होने से तेंदुआ बाथरूम में कैद हो गया। तेंदुए की आवाज सुनकर उत्तम साहू ने वन विभाग को सूचना दी। वन अमला ने सैप्टिक की छत पर चढ़ा और दरवाजा खोला, जिसके बाद तेंदुआ वहां से निकलकर पास की पहाड़ी की ओर भाग निकला।

यहां आते रहते हैं वन्यजीव

बिरगुड़ी परिक्षेत्र के गांवों में तेंदुआ देखे जाने तथा मुर्गी, मवेशियों के शिकार करने की खबरें आती रहती हैं। रविवार को तेंदुआ को देखने गांव के लोग अपने घरों की छत पर खड़े थे।

रायपुर से दिल्ली की उड़ान के दौरान विमान में टर्बुलेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/नई दिल्ली

दिल्ली के लिए रायपुर से उड़ान भरने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई 6313 को धूल भरी आंधी के कारण टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इस घटना के दौरान, पायलट ने अंतिम समय में लैंडिंग रद्द कर दी। विमान को तब तक हवा में चक्कर लगाने पड़े जब तक मौसम बेहतर नहीं हुआ। विमान बाद में दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। बता दें कि इंडिगो की यह ▶▶|शेष पेज 7 पर

- हवा में चक्कर लगाते रहा विमान

मौसम साफ होने पर की लैंडिंग

हालांकि इसके बाद फ्लाइट ने हवा में कई चक्कर लगाए और मौसम साफ होने के बाद विमान की लैंडिंग हुई। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग होने के बाद यात्रियों ने चैन की सांस ली।

राष्ट्रीय राजधानी में बदला मौसम

बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को अचानक मौसम बदल गया। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में रविवार को धूल भरी आंधी के बाद बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया।

क्रिकेटर रिंकू-सांसद प्रिया करेंगे सगाई

जौनपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे रिंकू सिंह की शादी जौनपुर की मछलीशहर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से तय हो गई है और दोनों की रिंग सेरेमनी आठ जून को लखनऊ में होगी। प्रिया सरोज के पिता और जौनपुर के केराकत विधानसभा सीट से सपा विधायक तूफानी सरोज ने रविवार को इस रिश्ते की पुष्टि की।

जीत के जश्न में 2 की मौत, 192 घायल, 500 से ज्यादा गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| पेरिस

फुटबॉल चैंपियंस लीग के इतिहास में पीएसजी ने अपना पहला खिताब जीता। फाइनल में इंटर मिलान को 5-0 से हराया। पीएसजी की इस जीत से फ्रांस में जश्न का माहौल रहा।

- फुटबॉल चैंपियंस लीग में पीएसजी ने जीता पहला खिताब

हालांकि, एक दुखद खबर भी सामने आई, जिसमें दो लोगों के मरने और 192 लोगों के घायल होने की सूचना है। फ्रांस के फुटबॉल क्लब पीएसजी के चैंपियंस लीग जीतने के बाद फैंस शनिवार की रात पेरिस की सड़कों पर जश्न मनाने उतरे। इस दौरान कुछ उपद्रवियों ने जश्न में खलल पैदा कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और उपद्रवियों के साथ झड़प शुरू हो गई। झड़प के दौरान उपद्रवियों ने चैंप्स एलिसीज पर बस शेल्टरों को तोड़ दिया।

500 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

एजेंसी ने रविवार को आंतरिक मंत्रालय के हवाले से लिखा कि मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने अलग-अलग जगहों से कुल 559 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें पेरिस में 491 लोग गिरफ्तार किया गया है। 320 लोगों को पुलिस हिरासत में रखा गया।

गाड़ी चलाना और खाना पकाना हो सकता है सस्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने वाहन के लिए सीएनजी और रसोई गैस के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस की कीमत में दो साल में पहली बार कमी की है, जो बेंचमार्क दरों में गिरावट को दर्शाता है। सरकार के इस निर्णय से वाहन चलाना और खाना पकाना सस्ता हो सकता है। नीलामी के बिना प्राकृतिक गैस की कीमत 6.75 डॉलर से घटाकर 6.41 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दी गई है। अप्रैल, 2023 में सरकार द्वारा इस तरह की गैस की कीमत के लिए एक नया फॉर्मूला लागू करने के बाद से यह पहली कटौती है।

- सरकार ने दो साल में पहली बार घटाई एपीएम गैस की कीमत

नए फॉर्मूले के बाद पहली कटौती

अप्रैल, 2023 में सरकार की ओर से इस तरह की गैस की कीमत के लिए एक नया फॉर्मूला लागू करने के बाद से यह पहली कटौती है। इससे इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, महानगर गैस लिमिटेड और अदाणी-टोटल गैस लिमिटेड जैसे शहरी गैस रिटेलर्स को मदद मिलेगी। ये उत्पादन लागत में बढ़ोतरी से दबाव में थे।

चिंतन

कोरोना की शनैः शनैः वापसी, सतर्कता जरूरी

बदलते मौसम के साथ कोरोना की शनैः शनैः वापसी यूं तो खतरनाक नहीं है, लेकिन सतर्क रहने की दस्तक जरूर है। पूर्व में भारत कोरोना के दौरान काफी नुकसान उठा चुका है। सरकार ने अधिकृत तौर पर अभी तक कोरोना महामारी से देश को मुक्त घोषित नहीं किया है। महामारी के सामान्य हो जाने के बाद सभी बंदिशें जरूर खत्म कर दी गईं, लेकिन कोरोना के केस इक्का-दुक्का जरूर रिपोर्ट होते गए। बाद में इसके कई वैरिएंट आए, पर खतरा कम होता गया। माना गया कि सतर्कता, जागरुकता और टीकाकरण के सम्मिलित प्रयास से कोविड-19 को नियंत्रित करने में मदद मिली। जनजीवन बिल्कुल सामान्य हो गया और दुनिया भर में लोग अपनी दिनचर्या में लीन हो गए। वर्ष 2025 में कोरोना वायरस ने फिर से डराना शुरू किया है। सिंगापुर और हांगकांग से शुरू हुआ यह मामला अब भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मई शुरू होते ही देश के चार राज्यों में कोविड ने पैर पसारने शुरू किए, जो कि अब पूरे भारत में बढ़ने लगा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 1 जून 2025 तक भारत में कोविड के एक्टिव केस 3758 हैं। सबसे ज्यादा मामले केरल से 1400 सामने आए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र में 485 और दिल्ली में 436 मरीज संक्रमित हैं। जनवरी से लेकर अभी तक 28 लोगों की मौत कोविड की वजहों से हुई है। पिछले हफ्ते की तुलना में कोरोना वायरस के केस में 1200 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीते दो साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब कोविड के एक्टिव केस 3500 के पार पहुंच गए हैं। सरकार ने चिकित्सा विशेषज्ञों के हवाले से आश्वस्त किया है कि पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है, पर लोगों को अपने स्तर पर एहतियात बरतनी चाहिए और वायरस के संक्रमण के बचे रहने के लिए दो गज की दूरी समेत सभी जरूरी प्रोटोकॉलों को अपनाना चाहिए। सरकार ने अपने स्तर पर राज्यों के अस्पताल मशीनरी को अलर्ट कर दिया है, ताकि मरीजों के अचानक बढ़ने पर इलाज में दिक्कत न हो। कोरोना का पहला मामला भारत में 30 जनवरी 2020 को केरल से सामने आया था। पहले 100 केस आने में 46 दिन का वक्त लगा था। इसके बाद 1000 केस तक पहुंचने में केवल 15 दिन का ही समय लगा था। इसके बाद 24-25 मार्च की दरम्यानी रात को देशभर में लॉकडाउन लगा दिया गया था। पहले चरण में एक महीने में केस बढ़कर 3000 के पार हो गए थे। सितंबर 2020 में पहली लहर चरम पर थी तब रोजाना करीब 93,000 केस दर्ज हो रहे थे। दूसरी लहर तो भयानक थी। मार्च 2021 तक केस तेजी से बढ़ने लगे थे। डेल्टा वेरिएंट की वजह से संक्रमण की रफ्तार तेज थी। अप्रैल-मई 2021 के बीच रोज करीब 4 लाख केस दर्ज किए गए थे। स्वास्थ्य व्यवस्था की कलई खुल गई थी। मौत की संख्या भी ज्यादा थी। तीसरी लहर की शुरुआत ओमिक्रोन वेरिएंट के जरिए हुए थी। यह वायरस तो बहुत तेजी से फैला, लेकिन इसके लक्षण हल्के थे, इसलिए मौतें बहुत ज्यादा नहीं हुई थीं। सिर्फ 8 दिन में ही केस 10,000 से 1 लाख के पास पहुंच गए थे। इस वर्ष 2025 में कोविड के जेएन.1 वेरिएंट का खतरा है, जो कि अब तेजी से फैल रहा है। सरकारों ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर रहने और मास्क लगाने की अपील की है। साथ ही, बुखार, खांसी और सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने के निर्देश दिए हैं। लोग पैनिक न हों, पर सतर्क जरूर रहें। सरकार को जरूरी टीकाकरण और अस्पतालों की तैयारी पर ध्यान देना चाहिए।

समृति शेष
विवेक शुक्ला

वाल्मीक थापर के बाद अब कौन करेगा बाघों की चिंता

बाघ मित्र वाल्मीक थापर नहीं रहे। वे 73 साल के थे। उनके निधन से भारत और दुनिया ने बाघों का एक सच्चा मित्र खो दिया है। अगर भारत में प्रोजेक्ट टाइगर परियोजना सफल हुई तो इसका श्रेय वाल्मीक थापर को भी देना होगा। उन्हें 2005 में टाइगर टास्क फोर्स में नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने बाघ संरक्षण की रणनीतियों को मजबूत करने में योगदान दिया। भारत में 2018 से 2022 के दरम्यान 200 बाघों की आबादी बढ़ी। वाल्मीक थापर की बाघ संरक्षण की मुहिम ने देश में एक आंदोलन का रूप लिया। देश के चोटी के चिंतक और सेमिनार पत्रिका के संपादक स्वर्गीय रोमेश थापर और राज थापर के पुत्र थे वाल्मीक थापर। उनकी शादी शशि कपूर की पुत्री संजना कपूर से हुई थी। थापर अपना सारा काम सुर्खियों से दूर रहकर करना पसंद करते थे। जो लोग वाल्मीक और संजना को जानते हैं, वे कहते हैं कि इन दोनों को करीब लाने में जंगल और जंगली जानवर प्रेम अहम रहा है। उनका एक पुत्र हमीर है। वाल्मीक थापर की 'दि लास्ट टाइगर' नाम की किताब को भारत में बाघों के विलुप्त होने के कारणों पर लिखी सबसे बेहतर पुस्तक माना जाता है। वाल्मीक थापर ने जिस तरह की लड़ाई लड़ी उसके बिना बाघ को बचाना कठिन था। उनकी गिनती दुनिया के सबसे सम्मानित वाइल्ड लाइफ

एक्सपर्ट के रूप में होती थी। उन्होंने वाइल्ड लाइफ पर दस से अधिक किताबें और सैकड़ों शोध लेख लिखे हैं। भारत को दर्जनों वाल्मीक थापर चाहिए। तब ही हमारे इधर जंगल और जंगली जानवर बच पाएंगे। वाल्मीक थापर ने खास तौर पर राजस्थान के रणथंभौर नेशनल पार्क में बाघों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवास को बचाने के लिए ठोस कार्य किया। उनके कामों में लेखन, वन्यजीव फिल्म निर्माण और नीति निर्माण शामिल था। इन्होंने अपना पूरा जीवन बाघों के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। वाल्मीक थापर ने बाघों के अवैध शिकार को रोकने के लिए सख्त कानूनों और नीतियों की वकालत की। उन्होंने बाघों के प्राकृतिक आवास को मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त रखने पर जोर दिया, ताकि उनकी आबादी को संरक्षित किया जा सके। उनके प्रयासों से यह पार्क भारत में बाघ संरक्षण का एक मॉडल बन गया। वाल्मिकी थापर 150 से अधिक सरकारी समितियों और टास्क फोर्स का हिस्सा रहे, जिनमें नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ भी शामिल था। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करते हैं। थापर ने भारत में अफ्रीकी चीतों को लाने के प्रोजेक्ट चीता की आलोचना की थी। उनका मानना था कि भारत में चीतों के लिए उपयुक्त आवास, शिकार या विशेषज्ञता की कमी है, जिसके कारण यह परियोजना दीर्घकालिक रूप से सफल नहीं हो सकती। वाल्मीक थापर ने बाघों और भारतीय वन्यजीवों पर 30 से अधिक पुस्तकें लिखीं और संपादित कीं, जो उनके अनुभवों और शोध का निचोड़ हैं। उनकी कुछ प्रमुख पुस्तकें हैंः 'लैंड ऑफ द टाइगरः ए नेचुरल हिस्ट्री ऑफ द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' (1997)ः इस पुस्तक में उन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप की जैव-विविधता को विस्तार से प्रस्तुत किया। यह पुस्तक प्रकृति प्रेमियों और संरक्षणवादियों के बीच काफी लोकप्रिय रही। उनकी अन्य पुस्तकों में बाघों के व्यवहार, उनके आवास और संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर गहन विश्लेषण शामिल है। उनकी लेखन शैली वैज्ञानिक दृष्टिकोण और कथात्मक शैली का मिश्रण है, जो सामान्य पाठकों और विशेषज्ञों दोनों को आकर्षित करती है। उन्होंने वन्यजीवों पर कई प्रभावशाली फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बनाईं, जो भारतीय वन्यजीवों की सुंदरता और उनके सामने मौजूद खतरों को उजागर करती हैं। उनकी बीबीसी के लिए 'लैंड ऑफ द टाइगर' (1997) नाम की डॉक्यूमेंट्री सीरीज में भारतीय उपमहाद्वीप की जैव-विविधता को दिखाया गया। इस सीरीज ने विश्व स्तर पर भारतीय वन्यजीवों के प्रति जागरुकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कई अन्य वन्यजीव फिल्मों में योगदान दिया, जो भारत बल्कि वैश्विक मंच पर संरक्षण के मुद्दों को उठाने में सहायक रहीं। वाल्मीक थापर ने अपनी पुस्तकों, फिल्मों और सार्वजनिक व्याख्यानों के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण के प्रति व्यापक जागरुकता फैलाई। उनकी रचनाओं ने न केवल भारत बल्कि विश्व भर में लोगों को प्रेरित किया। उनके निधन से बाघों को बचाने की मुहिम को धक्का लगेगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नक्सल रोधी ऑपरेशन पर सवाल गैरवाजिब

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

देश के सर्वाधिक नक्सल प्रभावित राज्य छत्तीसगढ़ में इन दिनों सुरक्षा बलों को नक्सलियों के सफाए में लगातार कामयाबी मिल रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म करने के डेडलाइन तय करने के बाद छत्तीसगढ़ सहित माओवाद प्रभावित राज्यों में नक्सलियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाया जा रहा है। माओवाद के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकार के दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि सुरक्षाबलों को नक्सलियों के सफाए में बड़ी सफलता मिल रही है तथा कई वरिष्ठ और इनामी नक्सली नेता मारे जा रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2023 से अब जहां 400 नक्सली ढेर हुए वहीं 1400 गिरफ्तार हुए तथा 1350 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। बीते दशकों में यह पहला मौका है जब बस्तर से सुरक्षा बलों के शहादत की जगह बड़ी संख्या में नक्सलियों के ढेर होने की खबरें आ रही है। इस साल मई महीने में फोर्स को माओवादियों के खिलाफ दो बड़ी सफलता मिली है जिसने नक्सलियों को बैकफुट पर ला दिया है। पहली सफलता बीजापुर के जंगल में मिली जहां फोर्स ने "ऑपरेशन कगार" के तहत कर्रेगुट्टा पहाड़ पर नक्सलियों के किले पर कब्जा कर लिया इस पहाड़ में नक्सल संगठनों का यूनिफाइड हेडक्वार्टर था। चौबीस दिनों तक चले इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने जहां 31 नक्सलियों को मार गिराया वहीं माओवादियों के बंकर, अस्पताल और हथियार फैक्ट्री को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया।

राज्य के नक्सल रोधी बल 'डीआरजी' को दूसरी अहम सफलता नक्सलियों के मांद अबूझमाड़ के जंगल में 21 मई यानि झीरम कांड के 12 वीं बरसी के ठीक चार दिन पहले मिली जब उसने 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के तहत 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन की महत्वपूर्ण कामयाबी यह रही कि सुरक्षाबलों ने भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (माओवादी) के शीर्ष नेता और महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार डाला जिस पर डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम था। बसवराजू नक्सल आंदोलन का रीढ़ था जिसकी महत्वपूर्ण भूमिका झीरम और ताड़मेटला कांड में रही है। अप्रैल 2010 में सुकमा जिले के ताड़मेटला नक्सली हमले में 76 जवान मारे गए थे वहीं 25 मई 2013 इसी जिले के झीरम घाटी में माओवादियों ने कांग्रेस के अनेक दिग्गज नेताओं सहित 33 कार्यकर्ताओं को मार डाला था। झीरम घाटी का मामला देश में राजनीतिक हत्या के इतिहास की ऐसी बर्बरतम घटना थी जिसमें पार्टी के अनेक कद्दावर नेता मारे गए थे जिसने देश में राजनीतिक स्तब्धता पैदा कर दी थी।

इधर सरकार और सुरक्षा बलों के नक्सलियों पर बढ़ते दबाव और अग्रिम पंक्ति के नेताओं के मारे जाने के बाद इस आंदोलन को काफी धक्का लगा है। माओवादी मोर्चे पर मिल रही सफलता का ही परिणाम है कि नक्सली संगठन के नेता सरकार से लगातार शांति वार्ता और युद्धविराम की पेशकश कर रहे हैं लेकिन सरकार का रुख ठंडा है। 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' में एक करोड़ के इनामी और भाकपा (माओवादी) महासचिव बसवराजू सहित 27 नक्सलियों के मारे के बाद भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी ' भाकपा ' के महासचिव डी. राजा ने इस मुठभेड़ को ' न्यायेत्तर हत्या ' करार देते हुए "ऑपरेशन कगार" की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। इस वामपंथी नेता ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में आदिवासियों का आड़ लेते हुए इस ऑपरेशन पर ही सवालिया निशान लगा दिया और लिखा कि इस मुठभेड़ में आदिवासियों सहित एक वरिष्ठ माओवादी नेता की निर्मम हत्या की बात कही है।बहरहाल आदिवासियों की आड़ में नक्सल रोधी ऑपरेशन पर सवाल उठाने और इस अभियान को रोकने की मांग अकेले कम्युनिस्ट पार्टी ही नहीं कर रही है बल्कि तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी कर चुके हैं। देश के अनेक मानवाधिकार कार्यकर्ता, भूतपूर्व न्यायाधीश, शिक्षाविद और सिविल सोसायटीज से जुड़े लोग भी इस ऑपरेशन को रोकने के लिए सरकार से गुहार लगा चुके हैं। इन पैरोकारों की दलील है कि माओवादियों के खात्मे के लिए चलाए जा रहे अभियान में निर्दोष आदिवासियों की मौत हो रही है।

अलबत्ता यह कोई पहला मौका नहीं है जब सुरक्षाबलों के हाथों माओवादियों के मारे जाने पर तथाकथित मानवाधिकारवादियों और बुद्धिजीवियों ने हाय-तौबा मचाया हो। कालांतर में भी सरकार पर विपक्षी दलों और मानवाधिकार संगठनों द्वारा मुठभेड़ों में नक्सलियों के मारे जाने पर इसे फर्जी मुठभेड़ करार देते हुए निरीह आदिवासियों के मारे जाने का तोहमत लगाए जाते रहे हैं। हालांकि इस आरोप में थोड़ी- बहुत सत्यता भी है जून 2012 में बीजापुर के सारकेगुड़ा गांव में एक मुठभेड़ में 17 आदिवासियों की हत्या के मामले में गठित न्यायिक आयोग ने अपने रिपोर्ट में इसे ' फेक एनकाउंटर ' बताया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि कथित मुठभेड़ में मारे गए लोगों का संबंध माओवादियों से नहीं था बल्कि ग्रामीण ' बीज पंडुम ' त्योहार मनाने इकट्ठा हुए थे।बिलाशक लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंसा का कोई स्थान नहीं है बल्कि सभी मसलों का हल संवाद ही है लेकिन इसके लिए माओवादियों को बंदूक छोड़ना होगा।

नक्सल प्रभावित राज्यों की बात करें तो यहां माओवादियों ने जहां एक तरफ लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का विरोध किया है वहीं दूसरी ओर सरकार के आदिवासी कल्याण योजनाओं और अधोभूत विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी रोड़ा बन रहे हैं। नक्सली हिंसा का घिनौना चेहरा यह भी कि उनके द्वारा आदिवासियों को शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी जरूरतों से वंचित रखने इन इलाकों के सड़कों, पुल- पुलियों, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों को बमों से उड़ा दिया तथा निर्माण कार्यों में लगे ठेकेदारों का गला रेत दिया वहीं निर्माण मशीनरी को आग के हवाले कर दिया। इस बीच नक्सलियों के वनोपज और निर्माण कार्यों से जुड़े व्यवसायियों और ठेकेदारों से लेवी वसूली और जबरिया धन उगाही की खबरें भी सामने आई है। खबरों की मानें तो माओवाद प्रभावित इलाके में नक्सलियों की समानांतर सरकार चलती है जिनके इशारे पर चुनिंदा ठेकेदारों को इन इलाकों के सड़क, पुल -पुलिया और अन्य सरकारी भवनों का ठेका मिलते रहा है। बिलाशक इस गठजोड़ में प्रशासनिक अमले की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि बीते दशकों के दौरान वामपंथी उग्रवाद वाले इलाक़ों में सड़क, पुलिया और भवन केवल कागजों पर ही बने हैं।

नक्सल रोधी अभियान पर सवाल उठाने उन राजनीतिक दलों और मानवाधिकार संगठनों की बात करें जो नक्सल ऑपरेशन के दौरान माओवादियों के मारे जाने पर इसे फर्जी मुठभेड़ बता कर इसमें बेकसूर आदिवासियों के मारे जाने का दुष्प्रचार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया पर करते हैं।आदिवासियों के आड़ में माओवादियों की पैरवी करने वाले तथाकथित बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता नक्सली हिंसा पर लगातार दोमुंही नीति अपना रहे हैं।फांसीवाद का विरोध करने वाले मानवाधिकार संगठनों और वामदलों को नक्सलियों के कथित जन अदालत में बेकसूर आदिवासियों को पुलिसिया मुखबिर बता कर कत्लेआम करने की घटनाएं क्यों नहीं दिखाई देता? विडंबना यह कि नक्सलियों के मारे जाने पर छाती पीटने वाले लोगों के मुंह पर ताला उस वक्त क्यों लग जाता है जब नक्सली हिंसा में सुरक्षाबलों और राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों की मौतें होती है ? लोकतंत्र खतरे में है का रूदाली करने वाले उस समय क्यों चुप्पी साध लेते हैं जब माओवादी लोकतंत्र का महापर्व चुनाव के बहिष्कार का फरमान जारी करते हैं? देश वह दौर भी नहीं भूला है जब छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा में नक्सलियों 76 जवानों के शरीर को बम विस्फोट से क्षत-विक्षत कर दिया था और वामपंथियों के गढ़ दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी 'जेएनयू' माओवाद समर्थक स्टुडेंट यूनियन ने इस वीभत्स घटना का जश्न मनाया था। इस घटना पर भी तथाकथित मानवाधिकारवादी आंखें मूंदे रहे। अलबत्ता नक्सल रोधी ऑपरेशन पर सवाल उठाने या सेलेक्टिव प्रतिक्रिया देने वाले राजनेताओं और सियासी दलों को यह बात जेहन में रखना होगा कि नक्सलियों की गोली किसी राजनीतिक दल में भेद नहीं कर रही है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों में भरोसा रखने वाले हर व्यक्ति के छाती पर बरस रही है।

दरअसल आदिवासी विकास के विरोधी नहीं हैं बल्कि वे ऐसा विकास चाहते हैं जिसमें उनकी सदियों पुरानी साझा विरासत जल, जंगल, जमीन और लोक-संस्कृति और परंपरा का अस्तित्व सुरक्षित रहे। विडंबना है कि सरकार के विकास के परिभाषा में इनका कोई मोल नहीं है लिहाजा सरकार और आदिवासियों का टकराव यहीं से शुरू होता है जिसका फायदा नक्सली और उनके पैरोकार उठाते हैं।सत्ता प्रतिष्ठानों को विकास की ऐसी रुपरेखा तय करनी होगी जिसमें आदिवासियों का प्राकृतिक संसाधनों के साथ तादात्म्य कायम रहे आखिरकार उनका रोजगार और उत्सव इससे जुड़ा है। लिहाजा सरकारों को विकास योजनाओं को लागू करने के पहले आदिवासियों को विमर्श में लाना ही होगा। सरकारों को आदिवासियों के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास के लिए 'थ्री डी' यानि डेवलपमेंट (विकास) , डेमोक्रेसी (लोकतंत्र) और डिफेंस (सुरक्षा) की रणनीति अपनानी होगी ताकि देश नक्सली हिंसा से मुक्त हो सके।

संकर सहज स्वरूप सम्हारा

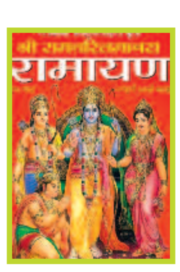

संकलित
दर्शन

श्रीरामचरितमानस में भगवान शंकर भक्ति के दाता भी माने गए हैं और भक्ति के भिक्षुक भी। शिव भक्ति देते भी हैं और मांगते भी हैं। भगवान शंकर में नवभक्ति का दर्शन होता है। उनमें अष्टांग योग का, ज्ञान की सातों भूमिकाओं का और धर्म के दसों लक्षणों का दर्शन भी होता है। लंका कांड में गोस्वामी जी ने जो धर्मरथ का वर्णन किया है। उसमें जितने धर्म के सूत्र बताए हैं, वे सभी महादेव में प्रस्थापित होते हैं। शिव भक्ति स्वरूप हैं। शिव का बाहरी रूप तो 'कुंडल कंकन पहिरे ब्याला' वाला है, लेकिन आंतरिक स्वरूप भजन है, भक्ति है। मानस में है- 'संकर सहज स्वरूप सम्हारा'। सहज स्वरूप का अनुसंधान शिव ने किया। उनकी जो सहज प्रवृत्ति है, वह भजन है। भगवान भी कहते हैं कि 'संकर भजन बिना नर भगति न पावइ मोरि'। शंकर की भक्ति जो करेगा, वही मेरी भक्ति पाएगा अथवा शंकर का जो सहज भजन स्वरूप है, उसे आत्मसात करेगा, वह मेरी भक्ति पाएगा। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने पहली भक्ति संत का संग बताई है- 'प्रथम भगति संतन्ह कर संगा'। आप महेश का चरित्र देखिए। जैसे ही अवसर मिला, वे साधु-संतों का संग करते दिखाई देते हैं। पार्वती के विरह में संतों का संग करते थे। महादेव सत्संग के प्यासे हैं। दूसरी भक्ति है कथा श्रवण। कथा में जहां जगह मिले, वहां बैठकर कथा के प्रसंगों का रस उठाना। शिव कहते हैं, पार्वती, मैं काकभुशुंडि जी के आश्रम में हंस बनकर पीछे बैठ गया था। कथा श्रवण में इतनी रुचि, यह दूसरी भक्ति शिव में है। तीसरी भक्ति है अभिमान छोड़ कर अपने श्रेष्ठ, ज्येष्ठ, गुरुजनों की सेवा करना।

ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

संकलित
प्रेरणा

एक बार स्वामी विवेकानद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा परेशान हूँ। मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी मैं नाकामयाब हूँ। युवक की परेशानी को स्वामीजी ने तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब वह युवक आश्रम में पहुंचा तो यह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हांफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसीलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया।

अंतर्मन

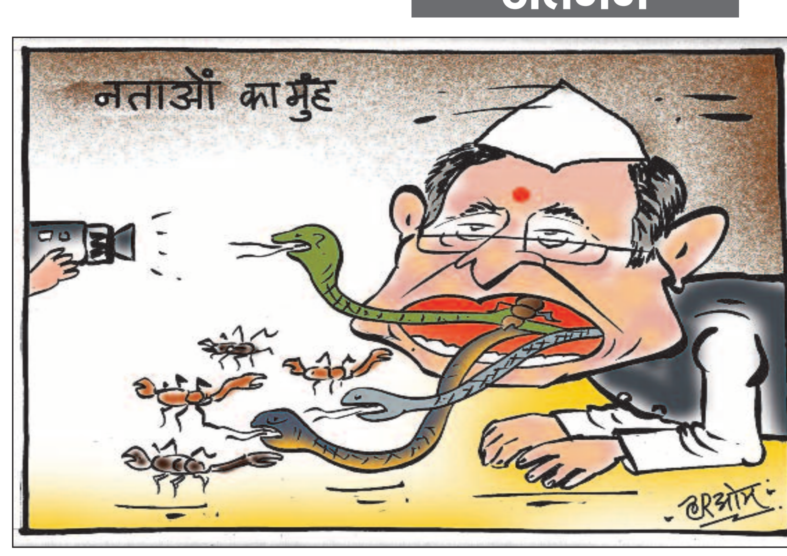

आज की पाती

क्या किसी की भूख की तस्वीर लेना जायज है?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इनसानियत, परोपकार और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है– एक ऐसा मंच जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे ज़रूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे उसे कुछ खाने को दे जाते थे। लेकिन अब किसी की भूख बुझाने की भी तस्वीरें ली जा रही हैं। – *मोहित पटेल, दुर्ग*

ट्रेंड

बाल रक्षा दिवस

स्वस्थ, शिक्षित एवं संस्कारित बच्चे विकसित राष्ट्र का आधार होते हैं। आज अंतरराष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर सबको हार्दिक बधाई! 'बाल-कल्याण' सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है, हम बच्चों को बेहतर शिक्षा, उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं एवं उनके सर्वांगीण विकास हेतु पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

कानून की अनदेखी

देश के राज्यों ख़ासकर यूपी में सामंती व आपराधिक तत्वों का वर्चस्व होने से जातिवादी एवं साम्प्रदायिक द्वेष, हिंसा, अन्याय-अत्याचार तथा लोगों को उजाड़ने आदि की कार्रवाइयों से यह साबित है कि यहाँ कानून का राज सही से नहीं चल रहा है।
-मायावती, पूर्व सीएम, उप्र

प्राकृतिक विरासत की रक्षा

वाल्मीक थापर हमारे वन्यजीवों, विशेषकर बाघों के लिए एक भावुक आवाज़ थे। उनका जीवन हमारी प्राकृतिक विरासत की रक्षा करने और अटूट प्रतिबद्धता से पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए समर्पित था।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

आत्मा का संकेत

निंदकपन मरती हुई आत्मा का संकेत है। केवल ज्ञान, ध्यान और हास्य ही आत्मा को जीवित रख सकते हैं और लोगों को बड़बड़ाने वाली मानसिकता से बाहर निकलने में मदद कर सकते हैं।
-श्री श्री रविशंकर, आध्यात्मिक गुरु

करंट अफेयर

फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए खोली गई

उत्तराखंड के चमोली जिले में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल फूलों की घाटी को रविवार से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क की रेंज अधिकारी चेतना कांडपाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फूलों की घाटी कहे जाने वाले राष्ट्रीय उद्यान के लिए घांघरिया से 83 पर्यटकों के पहले दल को परमिट जारी कर विधिवत अनुमति दी गई जिनमें से चार पर्यटकों ने ऑनलाइन और 79 पर्यटकों ने सामान्य तरीके से अनुमति ली थी। फूलों की घाटी बदरीनाथ धाम के पास है जिसके लिए गोविंदघाट कस्बे से पुष्पावती नदी के किनारे भ्यूंडार के रास्ते घांघरिया से जाया जाता है। हर साल देश-विदेश से हजारों की संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। घाटी में तरह-तरह की अनेक प्रजाति की वनस्पतियां और रंग-बिरंगे फूल उगते हैं जिनकी निराली छटा देखते ही बनती है। वानस्पतिक विविधता को देखते हुए यूनेस्को ने 2005 में इसे विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया था। पर्यटकों के लिए यह घाटी हर साल जून में खुलती है जो अक्टूबर में हिमपात शुरू होने के बाद बंद कर दी जाती है। मानसून आगमन के करीब घाटी में फूलों की बहार आने लगती है जो सितंबर तक अपने चरम पर होती है।

ऑफ बीट

क्या कॉफी नींद की कमी की भरपाई कर सकती है

नींद की अहमियत से इनकार नहीं किया जा सकता। रातभर गहरी नींद लेने के बाद हरेक को अच्छा महसूस होता है और नहीं सोने से शरीर और दिमाग दोनों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। तो नींद की कमी की भरपाई के लिए क्या किया जा सकता है? या यूं कहें कि आप कम सोकर भी कैसे अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं? पर्याप्त नींद नहीं लेने से दिमाग के काम करने की क्षमता पर असर पड़ता है। वैज्ञानिक कई वर्षों से यह बात जानते हैं कि पर्याप्त नींद नहीं लेने से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम होती है। हमने कुछ प्रतिभागियों को घर जाकर सोने और कुछ प्रतिभागियों को प्रयोगशाला में पूरी रात जागने को कहा। हमने पाया कि पर्याप्त नींद नहीं लेने से न केवल ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत हुई, बल्कि इससे एक निश्चित क्रम में किए जाने वाले कार्यों को करने में (प्लेसकीपिंग) भी अधिक गलतियां हुईं। क्या कॉफी हो सकती है नींद का विकल्प? इसके बाद, हमने नींद की कमी की भरपाई के विभिन्न तरीकों को लेकर परीक्षण किया। यदि आपने पिछली रात पर्याप्त नींद नहीं ली, तो आप क्या करेंगे? कई लोग कॉफी या कोई 'एनर्जी ड्रिंक' (ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थ) पीना चाहेंगे।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

48 साल बाद बदला जगन्नाथ रथ का पहिया, अब चलेगा रूसी विमान सुखोई के टायरों पर

अब तक खींचा जाता था बोइंग विमान के टायरों की मदद से

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में प्रतिवर्ष निकलने वाली जगन्नाथ यात्रा के रथ में इस बार श्रद्धालुओं को बदलाव देखने को मिलेगा। इस वर्ष भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ सुखोई लड़ाकू विमान के टायरों पर सवार होकर धीमी गति से अग्रसर होंगे। बताया जा रहा है कि भगवान जगन्नाथ के रथ में पिछले साल स्टेयरिंग में आई खराबी के बाद ये बदलाव किया गया है। जगन्नाथ रथ को करीब 2 दशकों तक चली खोज के बाद नए टायर मिल पाए हैं। इससे पहले भी भगवान जगन्नाथ के रथ में बोइंग विमान के टायर इस्तेमाल किए जा रहे थे। टायर बदलने का काम अभी चल रहा है।

48 सालों बाद किया गया परिवर्तन

अब तक रथ को बोइंग विमान के टायरों की मदद से खींचा जाता था, लेकिन इन टायरों के पुराने हो जाने के कारण पिछले 15 वर्षों से इस्कॉन नए विकल्प की तलाश में था। इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि सुखोई के टायरों का व्यास (डायमीटर) बोइंग के टायरों से मेल खाता है, इसलिए इस बार इन्हें रथ में लगाया जा रहा है।

रथों का निरीक्षण करने कोलकाता आए थे अफसर

पहले बी-747 के टायर डनलप कंपनी बनाती थी। अब एमआरएफ भारत में सुखोई एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट के लिए टायर बनाती है। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने बताया कि चर्चा के बाद एमआरएफ के बड़े अधिकारी रथों का निरीक्षण करने कोलकाता आए और फिर सुखोई के टायर उपयुक्त पाए गए जो लगाए जा रहे हैं।

इस बार जगन्नाथ रथयात्रा 27 जून से

जगन्नाथ रथ यात्रा हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू होती है और शुक्ल पक्ष के 11वें दिन जगन्नाथ जी की वापसी के साथ यात्रा का समापन होता है। इस बार रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून से होगी। यह 8 दिन तक चलेगी। 5 जुलाई को समाप्त होगी।

रथ का पारंपरिक स्वरूप पूरी तरह सुरक्षित

राधारमण दास ने बताया कि कुछ मामूली बदलाव करने पड़े, जैसे कि पहिया ड्रम, बेस फ्रेम और एक्सेल फिटिंग में सुखोई के टायर लगाने के लिए। लेकिन रथ का पारंपरिक लकड़ी और लोहे का ढांचा पूरी तरह से सुरक्षित है और उसमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई।

लोहे के पहियों पर चलते हैं 2 रथ

भगवान बलराम या बलदेव का रथ पहले से ही नए लोहे के पहियों पर चल रहा है। पुराने लोहे के पहिये, जो 46 सालों से सेवा दे रहे थे, उन्हें 2024 में बदल दिया गया। चार पहियों में से एक को 2023 में बदला गया था। बलराम के रथ का हर पहिया 6 फीट का है और उसका वजन 250 किलो है।

5 टन के रथ को खींचते हैं पहिये : चारों पहियों का वजन एक टन है, जो 1977 में बने 5 टन के रथ को खींचते हैं। सुभद्रा के रथ के पहिए भी स्टील के बने हैं और अच्छी हालत में हैं। उम्मीद है कि वे अभी कई सालों तक चलेंगे। जगन्नाथ के रथ में पिछले साल स्टीयरिंग से जुड़ी जो समस्याएं आई थीं, उन्हें ठीक कर लिया गया है।

खबर संक्षेप

वक्फ के लिए लड़ाई जारी रखेगी : ओवैसी

हैदराबाद। एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा कि

मुसलमान वक्फ से जुड़े अपने अधिकारों को नहीं छोड़ेंगे और उनकी पार्टी वक्फ के लिए लड़ाई जारी रखेगी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायक और तेलंगाना विधानसभा में पार्टी के नेता ओवैसी वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के विरोध प्रदर्शन के तहत यहां धरना चौक पर एकत्रित हुए लोगों को संबोधित कर रहे थे।

खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट में दो की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक विस्फोट की घटना में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक बचाव अधिकारी ने कहा कि पेशावर से करीब 35 किलोमीटर दूर कोहाट जिले के दर्रा आदम खेल कस्बे में एक घर के पास ट्यूबवेल में धमाका हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

लैंडस्लाइड में 32 की मौत, केंद्र ने कहा- सरकार आपके साथ चट्टान की तरह खड़ी

असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय सिक्किम, नगालैंड में बारिश का तांडव

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बंगाल की खाड़ी में बने दबाव के कारण पूर्वोत्तर के छह राज्यों में हुई भारी बारिश की वजह से कई लोगों के मरने की खबर है। बारिश की वजह से सामान्य जनजीवन भी बुरी तरह प्रभावित रहा। भूस्खलन, मकान ढहने, डूबने और भारी बारिश से संबंधित आपदाओं में अभी तक 32 लोग मारे गए हैं। पूर्वोत्तर में बारिश के कारण प्रभावित लोगों की समुचित व्यवस्थाएं कराने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार उनके साथ चट्टान की तरह खड़ी है।

असम, मिजोरम समेत पूर्वोत्तर भारत के 4 राज्यों में समय से पहले पहुंचे मानसून ने भारी तबाही मचा दी है। इन राज्यों में बीते 2 दिन में बाढ़ और भूस्खलन से चलते 32 लोगों की मौत हो गई। असम में 16, अरुणाचल में 9, मिजोरम में 4 और मेघालय में 3 लोगों की जान गई है।

मिजोरम में 3 शरणार्थियों समेत 6 की मौत : मिजोरम में बारिश संबंधी घटनाओं के कारण 6 लोगों की मौत हो गई है। इनमें म्यांमार के 3 शरणार्थी भी शामिल हैं। शनिवार को चंफाई जिले के वाफाई गांव में भूस्खलन की वजह से 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं, सेरछिप जिले में भूस्खलन के कारण घर ढहने से 53 वर्षीय व्यक्ति दब गया।

सिक्किम में 1,500 फंसे, वाहन नदी में गिरा

उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में एक वाहन के तीस्ता नदी में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है, 2 घायल हो गए और 8 लापता हैं। पुलिस ने बताया कि लाचेन-लाचुंग राजमार्ग पर मुन्सिथांग के पास 11 पर्यटकों को ले जा रहा वाहन 1,000 फीट से अधिक नीचे नदी में गिर गया।

देश के अन्य राज्यों में ऐसा रहेगा मौसम

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तराखंड में भारी बारिश हो सकती, जबकि हिमाचल प्रदेश में हल्की से भारी बारिश का अनुमान है। उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, बिहार और मप्र में बारिश होगी।

चार राज्यों के सीएम से गृहमंत्री ने की बात

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के चार राज्यों असम, मणिपुर, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से बात कर हालात की जानकारी ली है। शाह ने उन्हें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर के लोगों के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी है।

असम में बाढ़ 78 हजार प्रभावित

असम के करीब 12 जिले बाढ़ के चपेट में है, जिससे 78,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। लखीमपुर जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है। यहां 40,000 से ज्यादा निवासी प्रभावित हुए हैं। कामरूप मेट्रोपोलिटन जिले में भूस्खलन से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि गोलाघाट में 2 और लखीमपुर में एक व्यक्ति के मारे जाने की खबर है। मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने कहा कि गुवाहाटी के बोंडा में 3 महिलाओं की मौत हो गई है।

81 लोगों को गवाह के रूप में किया गया सूचीबद्ध

शेख हसीना ने दिए थे नरसंहार के आदेश मुकदमा शुरू, हो सकती है फांसी तक की सजा

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके दो वरिष्ठ अधिकारियों पर 2024 के छात्र-आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों का गंभीर आरोप लगाया गया है। अभियोजन पक्ष ने रविवार को एक टेलीविजन सुनवाई में घोषणा करते हुए बताया कि इन लोगों ने जानबूझकर हिंसक दमन अभियान चलाया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई। मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने कहा कि ये हत्याएं योजनाबद्ध थीं। इसे नरसंहार भी कहा गया है। इस मामले में 81 लोगों को गवाह के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। शेख हसीना पर सामूहिक हत्या से

लेकर पिछले साल की हिंसा के दौरान असंतोष को दबाने तक के आरोप हैं।अभियोजन पक्ष ने कई साक्ष्यों के साथ दावा किया कि शेख हसीना ने स्वयं सुरक्षा बलों, सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े संगठनों को यह कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। आपको बता दें कि एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी संस्थाओं ने लंबे समय से बांग्लादेश में सत्ता के दुरुपयोग और प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार की निंदा की है।

एक माह में मारे गए थे 1400 लोग

अगस्त, 2024 में बांग्लादेश में छात्र आंदोलन हिंसक हो गया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच लगभग 1,400 लोग मारे गए, जिनमें छात्र और सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। इसके बाद गुस्साए प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति भवन में घुस गए थे और हालात बेकाबू हो गए थे। हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया था।

शेख हसीना भारत में वरिष्ठ नेता गिरफ्तार

बता दें कि शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट पहले ही जारी किया जा चुका है। अंतरिम सरकार ने औपचारिक रूप से भारत से उनके प्रत्यावर्तन का अनुरोध किया है। नई दिल्ली ने नोट को स्वीकार किया है, लेकिन आगे कोई टिप्पणी नहीं की है। शेख हसीना प्रशासन में शामिल अधिकांश वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार किया गया है।

फांसी की सजा भी संभव

1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तानी सेना के सहयोगियों पर मुकदमा चलाने के लिए गठित न्यायाधिकरण ने पहले कई जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेताओं को मौत की सजा सुनाई है। ऐसे में इस बात की संभावना है कि शेख हसीना को भी मौत की सजा सुनाई जा सकती है।

कांग्रेस नेताओं की आलोचना पर बोले थरूर

अभी मैं मिशन पर हूं, भारत वापस जाऊंगा तो दूंगा जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर लगातार विदेशों में जाकर पाकिस्तान को बेनकाब कर रहे हैं। सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और आतंकवाद को लेकर भारत के पक्ष को रख रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल का शशि थरूर भी हिस्सा हैं। हालांकि, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और उदित रात सरीखे नेताओं को ये बात चुभ रही है कि शशि थरूर, भारत सरकार का पक्ष दुनिया के सामने रख रहे हैं। कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई आलोचनाओं के लेकर जब शशि थरूर से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि

यह समय है कि हम अपने मिशन पर ध्यान केंद्रित करें। निस्संदेह, एक संपन्न लोकतंत्र में टिप्पणियां और आलोचनाएं होना लाजिमी है, लेकिन मुझे लगता है कि इस समय हम उन पर ध्यान नहीं दे सकते। जब हम भारत वापस आएंगे, तो निस्संदेह हमारे पास अपने सहयोगियों, आलोचकों, मीडिया से बात करने का मौका होगा।

भाजपा कर रही शशि थरूर की तारीफ

एक तरफ जहां कांग्रेस नेता शशि थरूर की आलोचना कर रहे हैं, वहीं, भाजपा नेताओं ने उनका बचाव किया है। भाजपा नेता संजय निरुपम ने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा पवित्र काम हो रहा है। विरोधी होने के बावजूद अगर ऐसा काम शशि थरूर को सौंपा गया तो इसपर कांग्रेस को खुश होना चाहिए और बीजेपी को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने प्रतिभा को पहचाना।

ड्राइवर की सतर्कता से टला हादसा

शामली में रेल पलटाने ट्रैक पर रखे पत्थर और लोहे का पाइप

एजेंसी ▶▶| शामली

शामली में अराजकतत्वों के रेल पलटाने की साजिश को ट्रेन ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए नाकाम कर दिया। ट्रेन ड्राइवर की सतर्कता और सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन ड्राइवर की वजह से सैकड़ों लोगों की जान बच सकी। इस घटना के बाद से रेलवे प्रशासन और पुलिस विभाग सतर्क हो गया है और ट्रेनों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी राम सेवक गौतम व जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में अक्सर नशेड़ी लोग आते हैं और ट्यूबवेल के पास बैठकर शराब पीते हैं। कई बार पुलिस को जानकारी दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आर्मी अफसर की याचिका खारिज, बर्खास्तगी का आदेश बरकरार

हाईकोर्ट बोला- सेना में अनुशासन ही सब कुछ अफसर धर्म की वजह से परेड नहीं जाता था

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय सेना के एक अधिकारी की बर्खास्तगी को सही ठहराया है, जिसे धार्मिक परेड में हिस्सा न लेने के कारण 2017 में सेवा से हटा दिया गया था। अधिकारी सैमुअल कमलेसन ने यह कहते हुए परेड में

शामिल होने से इनकार कर दिया था कि वे ईसाई धर्म से हैं। कमलेसन ने कोर्ट में याचिका दायर कर बर्खास्तगी को चुनौती दी थी। उन्होंने पेंशन और ग्रेच्युटी की मांग के साथ नौकरी पर दोबारा बहाल करने की अपील की थी। लेकिन 30 मई को जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की पीठ ने सेना के फैसले को बरकरार रखा।

कमलेसन का व्यवहार सेना के सेक्युलर सिद्धांतों के खिलाफ

अपने फैसले में कोर्ट ने कहा हमारी सेना सभी धर्मों, जातियों और क्षेत्रों के लोगों से बनी है, जिनका एकमात्र उद्देश्य देश की रक्षा करना है। सेना की एकता उनकी वर्दी से बनती है, न कि धर्म या जाति से। कमलेसन मार्च 2017 में थ्री कैवेलरी रेजिमेंट में लेफ्टिनेंट पद पर भर्ती हुए थे। उन्हें 'बी स्क्वाड्रन' का ट्रूप लीडर बनाया गया था, जिसमें अधिकतर सिख जवान शामिल थे।

कमलसेन की याचिका पर कोर्ट का जवाब

कमलेसन ने अपनी याचिका में कहा कि उनकी रेजिमेंट में मंदिर और गुरुद्वारा तो है, लेकिन सभी धर्मों के लिए कोई 'सर्व धर्म स्थल' नहीं था, और न ही चर्च मौजूद था। इस पर कोर्ट ने कहा कि भले ही कुछ रेजिमेंटों के नाम या परंपराएं किसी धर्म या क्षेत्र से जुड़ी हों, लेकिन इससे सेना का सेक्युलर चरित्र कमजोर नहीं होता। कोर्ट ने यह भी माना कि सेना में कई बार युद्ध घोषणाएं (वार क्राई) धार्मिक लग सकती हैं, लेकिन उनका मकसद सिर्फ जोश और एकता बढ़ाना होता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि कमलेसन ने अपने धर्म को अपने सीनियर अधिकारी के वैध आदेश से ऊपर रखा, जो कि सेना में अनुशासनहीनता मानी जाती है। सेना में अनुशासन का स्तर आम नागरिकों से अलग होता है।

नक्सल उन्मूलन के साथ बस्तर में खुलेंगे विकास के रास्ते

'समृद्धि का स्वर्ण काल'

छत्तीसगढ़ के दक्षिणी इलाके का वह वन समृद्ध क्षेत्र बस्तर अपनी आदिवासी संस्कृति के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। हरियाली का सौंदर्य, प्रकृति की समृद्धि और खूबसूरत पर्यटन स्थलों से सजा बस्तर नक्सल हिंसा के चलते लंबे समय से विकास से अछूता रहा, लेकिन अब यहां नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। विष्णु देव सरकार की सुनियोजित नीति ने बस्तर की दशा और दिशा दोनों बदल दी है। अब बस्तर सतत विकास पथ पर अग्रसर है। कृषि के साथ-साथ बस्तर में औद्योगिक क्षेत्र में भी एक नई क्रांति साय सरकार लाई है। यहां शिक्षा और युवाओं के कौशल उन्नयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे बस्तर के बेहतर भविष्य की सुखद तस्वीरें अब साफ नजर आने लगी हैं। क्षेत्र में अब सुनियोजित रणनीति के साथ समस्या के उन्मूलन पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ नक्सलवाद के खिलाफ ठोस रणनीति बनाकर एक निश्चित समय अवधि तक इसके संपूर्ण उन्मूलन के लिए काम कर रही है, तो दूसरी तरफ बस्तर में समावेशी विकास के लिए एक विस्तृत रोड मैप पर कार्य चल रहा है। विकास की सुनियोजित रूपरेखा से यहां के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में तेजी से बदलाव दिखने लगे हैं। स्थानीय जन समुदाय के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है और जिंदगी पहले से बेहतर हो रही है। सरकार के प्रयासों को देखते हुए यह लगता है, कि आने वाला समय बस्तर की समृद्धि का स्वर्ण काल होगा।

'बस्तर अब शांति की ओर बढ़ चुका है, अब सरकार का लक्ष्य लोगों को सम्मानजनक आजीविका देना है। सरकार न केवल कौशल विकास पर ध्यान देगी, बल्कि स्थानीय लोगों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इससे बस्तर का युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि पूरे देश और दुनिया में अपने हुनर की पहचान बना सकेगा।'

-श्री विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

बस्तर के युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए कौशल उन्नयन

बस्तर के युवाओं को अब तक या तो शहरी पलायन का विकल्प मिलता था या नक्सल संगठनों की ओर से बहकाने वाले रास्ते। विकसित बस्तर परिस्थिति को जड़ से बदलने का प्रयास है। इसमें 90 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और 40 हजार युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। 32 नए कौशल विकास केंद्रों की स्थापना से यह प्रयास जमीन पर आकार लेता दिख रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सल प्रभावित बस्तर के कांकेर और कोंडागांव जिलों में स्कूली बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत, बच्चों को रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की शिक्षा दी जाएगी। यह पहल आदिवासी बच्चों के कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए की गई है।

तकनीकी कृषि उपकरणों के प्रयोग से आदिवासी किसान उन्नत खेती की ओर अग्रसर

बस्तर की अर्थव्यवस्था का मूल आधार आज भी कृषि और वनों पर आधारित जीवनशैली है। यहां किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष जोर है। मोटे अनाज जैसे कोदो, कुटकी और रागी को बढ़ावा देना मिलेट मिशन का हिस्सा है, जो पोषण और आय दोनों में वृद्धि कर सकता है। इसके अलावा, कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए हर ब्लॉक स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। यह कदम छोटे किसानों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने में मदद करेगा। ड्रोन दीदियों की मदद से फसलों पर दवा छिड़काव के साथ-साथ अन्य तकनीकी कृषि उपकरणों के प्रयोग से यहां के प्रगतिशील आदिवासी किसान उन्नत खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

सांस्कृतिक पहचान से समृद्धि की ओर बस्तर

बस्तर दशहरा की अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है, जिसे अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर ले जाने की योजना बनाई गई है। यह न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को वैश्विक पहचान दिलाएगा। बस्तर पर्यटन सर्किट को विकसित करने, तीरथगढ़ जलप्रपात पर पारदर्शी पुल बनाने और स्थानीय युवाओं को पर्यटक गाइड के रूप में प्रशिक्षित करने की योजनाएं रोजगार, निवेश और सांस्कृतिक जागरूकता के तीनों पहलुओं को साधती हैं। बस्तर के धुड़मारास गांव को संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में मान्यता मिलना इस बात का प्रमाण है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में बस्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे, कैंपिंग और ईको पर्यटन की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

बस्तर के विकास के लिए रोड मैप तैयार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर के विकास के लिए 19 बिंदुओं पर आधारित योजनाओं की श्रृंखला तैयार की गई है, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाएं, उद्योग और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने का मसौदा तैयार किया गया है। बस्तर को एक नए औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करना, खाद्य, लघु वनोपज और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रसंस्करण हेतु उद्योग स्थापना, शिक्षा और कौशल विकास के लिए आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों की संख्या में वृद्धि, युवाओं को तकनीकी शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण देना, पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के लिए विभिन्न कार्यों सहित नई उद्योग नीति के साथ बस्तर में संतुलित औद्योगिक विकास का रास्ता बनाना और नई नक्सली आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति के तहत विभिन्न पहलें शामिल हैं।

स्थानीय उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

राज्य की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत बस्तर के स्थानीय युवाओं, महिला उद्यमियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को उद्यमिता की धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। नई नीति में इस क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जैसे इस्पात उद्योगों को 15 वर्षों तक रॉयल्टी की प्रतिपूर्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों को नौकरी देने वाले संस्थानों को 5 वर्षों तक उनके वेतन का 40% सब्सिडी देना। यह कदम न केवल बस्तर की सामाजिक संरचना को सुदृढ़ करेगा, बल्कि निजी क्षेत्र को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देगा।

नियद नेल्लानार, यानि आपका अच्छा गांव

घोर नक्सल प्रभावित 5 जिलों में सुरक्षाबल के कैम्पों के 5 किलोमीटर की परिधि में 130 गांवों में 16 विभागों की 25 व्यक्तिमूलक योजनाओं और 18 सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार। इस योजना का विस्तार अब 10 किलोमीटर तक कर दिया गया है। योजना के अंतर्गत लोगों के आधार, आयुष्मान, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों को वन अधिकार पट्टे, प्रधानमंत्री आवास दिए गए हैं। इसी तरह क्षेत्र में मोबाईल टावर, नये प्राथमिक स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र व उपस्वास्थ्य केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। बस्तर ओलम्पिक की धूम जहां कभी बंदूक की गोलियां गूंजती थी, वहां बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम की धूम रहा। 1 नवंबर से 15 दिसंबर 2024 तक हुए बस्तर ओलंपिक के ऐतिहासिक आयोजन में एक लाख 65 हजार से ज्यादा प्रतिभागी शामिल हुए। नक्सल पीड़ित, दिव्यांगों और आत्मसमर्पित नक्सलियों की सहभागिता ने बस्तर ओलंपिक के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया।

खाता खुलवाना और पैसा निकालना हुआ आसान

नियद नेल्लानार योजनांतर्गत सुकमा जिले के दूरस्थ गांव जो मुख्य शहर से काफ़ी दूर स्थित होते हैं वहाँ बैंक सुविधाओं को पहुंचाना बहुत कठिन कार्य होता है। वर्तमान में शासकीय योजनाओं की राशि भी डीबीटीएल के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के बैंक खाते में अंतरित की जाती है। ऐसे में ग्रामीणों को लेन देन के लिए बैंक तक जाना बहुत मुश्किल होता था। हितग्राहियों से बैंको की दूरी कम करने के लिए जिला पंचायत सुकमा के सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के द्वारा अभिनव पहल किया गया है जिसमें एनआरएलएम बिहान के स्व-सहायता समूह की दीदियों के द्वारा बीसी सखी के रूप में गांव में शिविर लगाकर और घर-घर जाकर बैंकिंग सुविधा प्रदान किया जा रहा है। बीसी सखी के द्वारा ग्रामीणों के बैंक संबंधी सारा काम घर पहुंच उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे ग्रामीणों के बैंक तक आने जाने का समय और पैसा दोनों बच रहा है। अपने घर में ही बैंक सुविधा मिल जाने से ग्रामीण बहुत खुश हैं। बैंक सखियों को भी इस कार्य से आमदनी हो रही है जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता की राह मिली है।

घर पहुंच बैंकिंग सुविधा से ग्रामीण खुश

नियद नेल्लानार योजनांतर्गत गाँव सिलोगेर, एलमागुण्डा, दुलेड़, परिया, दुब्बामरका और सामसट्टी में 6 बीसी सखियों भारती कोरसा, सुष्मिता माडकाम, पोड़ियाम कोइंदे, माडवी राजू, वंजाम जोगी और मीडियाम मनोज के द्वारा नक़द लेन देन संबंधी कार्य सहजता से किया जा रहा है। उनके द्वारा दिसंबर माह में कुल 106 हितग्राहियों को ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से लगभग 67 हज़ार रुपये का भुगतान किया गया। दूरस्थ गांवों में ग्रामीणों के द्वारा बैंकिंग सेवा के माध्यम से पैसा आहरण करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। वे अपने खाते से 100, 200 तो कभी 500 रुपये का आहरण कर रहे हैं। घर पहुंच पैसा मिल जाने से ग्रामीण बहुत खुश हैं।

पहुंचविहीन बोरगुड़ा के 127 लोगों का हुआ निःशुल्क उपचार

स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंचविहीन इलाकों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच कर रही है। नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत सुकमा जिले के सभी पहुंचविहीन और जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी प्रकार के स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ दूरस्थ पहुंचविहीन क्षेत्रों में घर-घर दस्तक दे रही है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से गाँवो में अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सुविधाओं व कार्यक्रमों को पहुंचाया जा रहा है।

नियद नेल्लानार योजनांतर्गत चिन्हांकित ग्राम बोरगुड़ा सुकमा विकासखंड के ग्राम पंचायत पोंगाभेज्जी के अंतर्गत वनांचल ग्राम है। यहां स्वास्थ्य विभाग की टीम पगडंडी के सहारे पैदल चलकर पहुंची। यह गांव जिला मुख्यालय से लगभग 45 किमी की दूरी पर स्थित परिया कैम्प क्षेत्र में आता है। स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा पेड़ की छांव में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा समुदाय के लगभग 45 लोगों का स्वास्थ्य जाँच कर क्षय, मलेरिया, कुष्ठ, मधुमेह और रक्तचाप की स्क्रीनिंग की गई। शिविर के दौरान 10 क्षय रोग के संदिग्ध व्यक्तियों के बलगम का सैंपल लिया गया एवं जाँच के लिए जिला क्षय उन्मूलन केंद्र भेजा गया। इसके साथ ही शिविर में आने वाले लगभग 127 लोगों का स्वास्थ्य जाँच कर निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर में ग्रामीण स्वास्थ्य जांच कराने बड़ी संख्या में पहुंचे।

दुर्गम क्षेत्र में पहुंच रहा तरक्की का उजाला

अबूझमाड़ के घने जंगलों के बीच स्थित रेकावया गांव में आजादी के बाद पहली बार स्कूल बन रहा है। करीब 50 स्कूल जो हिंसा के कारण बंद हो गए थे, उन्हें फिर से खोले गए हैं। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ जैसे दुर्गम इलाकों में, जहां पहले नक्सलियों का कब्जा था, वहां नए स्कूल भवनों का निर्माण हुआ। 2024-25 में यहां 7 नए सुरक्षा कैंप खुले, और इनके साथ ही स्कूलों की नींव रखी गई। पुवर्ती गांव, जो माओवादी कमांडर हिड़मा का पैतृक गांव है, अब बस्तर के पुनरुत्थान का प्रतीक बन गया है। वहां अब बिजली और सड़कें पहुंच रही हैं। नक्सल प्रभावित जगरगुंडा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में पहली बार बोर्ड परीक्षा की गोपनीय सामग्री सड़क मार्ग से सुरक्षित पहुंचाई गई। पहले यह सामग्री हेलीकाप्टर से भेजी जाती थी, लेकिन सुरक्षा बलों और प्रशासन के प्रयासों से सड़क नेटवर्क मजबूत हुआ है।

सुशासन तिहार

हर नागरिक तक शासन की योजनाओं का पहुंचे लाभ

" हमारा संकल्प है कि राज्य के हर नागरिक तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। सुशासन तिहार जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण बन गया है। यह अभियान केवल आवेदन संग्रह या समस्या निराकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह राज्य के शासन-प्रशासन और जनता के बीच का सेतु बन गया है।"

-श्री विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री (छत्तीसगढ़ शासन)

जनसेवा की दिशा में एक सशक्त पहल

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में चल रहा सुशासन तिहार जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं के लाभ को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम बन रहा है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। 8 अप्रैल से 31 मई 2025 तक तीन चरणों में आयोजित यह अभियान पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसंवाद को बढ़ावा दे रहा है, जिसका उद्देश्य शासन को जन-केंद्रित बनाना, जनसरोकार, जनविश्वास को मजबूत करना और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करना है।

पहले चरण में जनता जनार्दन से उनकी समस्याओं और मांगों के संबंध में 8 से 11 अप्रैल तक समाधान पेटी, ऑनलाइन पोर्टल और शिविर के माध्यम से आवेदन एकत्र प्राप्त किये गए। सुशासन तिहार के पहले चरण में मिले 40 लाख 31 हजार 77 आवेदनों का तेजी से निराकरण किया जा रहा है। जिसमें मांग से संबंधित 39 लाख 49 हजार 733 आवेदन और शिकायत से संबंधित मात्र 81 हजार 344 आवेदन शामिल हैं। द्वितीय चरण में इन आवेदनों का जिला प्रशासन द्वारा तत्परता से निराकरण किया गया। तृतीय चरण में 5 से 31 मई तक समाधान शिविरों में मुख्यमंत्री, मंत्री और जनप्रतिनिधि जनता से रू-ब-रू हो रहे हैं। यह अभियान न केवल समस्याओं का समाधान कर रहा है, बल्कि राज्य के मैदानी इलाके से लेकर बस्तर जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी जनता का विश्वास जीत रहा है। इस अभियान के उद्देश्य स्पष्ट और व्यापक हैं। जनता की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण, शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करना और जनता-शासन के बीच संवाद का सेतु बनाना।

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों से किया आत्मीय संवाद, टॉफियां बांटी और पूछा हालचाल

गरियाबंद जिले के मड़ेली में आयोजित समाधान शिविर के दौरान एक अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अचानक आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करने पहुँच गए। नन्हे बच्चों के बीच पहुँचे मुख्यमंत्री ने जब पूछा-"बच्चों, हमारे देश के प्रधानमंत्री कौन हैं?" तो सबने उत्साह से कहा-"श्री नरेंद्र मोदी!" फिर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का नाम पूछने पर सभी ने तुरंत उत्तर दिया-"श्री विष्णु देव साय!" यह दृश्य सिर्फ एक सामान्य संवाद नहीं था, बल्कि यह बताता है कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की लोकप्रियता केवल युवाओं और बड़े बुजुर्गों तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों के दिलों तक भी पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों को दुलारा, चॉकलेट और टॉफियां बांटी और कुछ पल उनके साथ बिताया। बच्चों की मासूम मुस्कान और स्नेह ने मुख्यमंत्री श्री साय को भी भाव-विभोर कर दिया।

बुजुर्ग ढेला बाई को मिला नया राशन कार्ड

नया राशन कार्ड प्राप्त कर ढेला बाई अत्यंत भावुक एवं अभिभूत नजर आईं। उन्होंने राज्य शासन द्वारा संवेदनशीलता के साथ किए गए

इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सुशासन तिहार उनके लिए संकटमोचक बनकर आया है। राशन कार्ड मिल जाने से अब उन्हें दो जून की रोटी की चिंता नहीं करनी पड़ेगी और वे अपने जीवन के अंतिम पड़ाव को सम्मानपूर्वक जी सकेंगी। उन्होंने मुख्यमंत्री साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

अनिता को मिला श्रम कार्ड वर्षों की प्रतीक्षा हुई खत्म

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा विकासखंड के सेवरा की रहने वाली

अनिता विगत वर्षों से श्रम कार्ड बनवाने का प्रयास कर रही थी। अनिता को श्रम विभाग में पंजीयन न होने के कारण विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित शिविर में उन्हें न सिर्फ आवेदन का मौका मिला, बल्कि अधिकारियों की तत्परता से उनका श्रम कार्ड तत्काल बनकर तैयार हो गया। अब अनिता व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र से एक वर्ष का प्रशिक्षण लेकर सिलाई मशीन की पात्रता भी प्राप्त कर सकेगी, जिससे उनकी आजीविका सशक्त हो सकेगी।

देवेंद्र को मिला जमीन का मालिकाना हक

मगरलोड विकासखण्ड के ग्राम पंचायत खिसोरा के समाधान शिविर में अंगारा निवासी देवेंद्र साहू ने

समाधान पेटी में अपनी भूमि के स्वामित्व कार्ड के लिए आवेदन किया था। शासन की तत्परता का परिणाम यह रहा कि कुछ ही दिनों में उनके आवेदन पर कार्रवाई हुई। समाधान शिविर के माध्यम से उन्हें उनकी जमीन का स्वामित्व प्रमाण पत्र सौंपा गया। साहू ने बताया कि अब उनकी जमीन का उन्हें कानूनी अधिकार मिल गया है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना से संवर रही विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों की जिंदगी

जिले के दूरस्थ विकासखण्ड बड़ेराजपुर से 12 कि.मी. की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत कोसमी के चनाभर्री जहां विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के 10 कमार परिवार निवासरत हैं। ग्राम पंचायत कोसमी अन्तर्गत चनाभर्री बसाहट वनग्राम में आता है, जो जंगल से लगा हुआ है। इन परिवारों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं वनोपज पर आधारित हैं, जिससे वे अपना गुजर-बसर करते हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (जनमन) अंतर्गत चनाभर्री को विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के बसाहट के रूप में चिन्हांकित कर यहां निवासरत सभी 10 कमार परिवारों को केंद्र एवं राज्य शासन की सभी योजनाओं से जोड़कर उन्हें सभी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

पक्की छत के साथ गंगाराम के परिवार को मिला सुरक्षित जीवन

गंगाराम को जनमन योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में आवास की स्वीकृति मिली। आवास स्वीकृति के पश्चात गंगाराम का अपने स्वयं का पक्का मकान बनाने की उम्मीद पूरा होते दिखाई दी एवं प्रथम किश्त की राशि मिलते ही सपने को पूरा करने की दिशा मिल गई, जिसके पश्चात जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर के तकनीकी मार्गदर्शन के आधार पर आवास निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। कार्य के प्रगति के आधार पर किश्त की राशि प्राप्त होते गया, वैसे-वैसे कार्य के स्तर बढ़ते-बढ़ते आज पूर्ण कर उनके सपनों का घर बन कर तैयार

हो गया। शासन से प्राप्त मनरेगा अंतर्गत 90 दिवस मजदूरी की राशि 23 हजार 850 एवं आवास की अनुदान राशि 02 लाख सहित कुल 02 लाख 23 हजार 850 रुपए राशि का सदुपयोग करते हुए गंगाराम द्वारा समयबद्ध तरीके से आवास निर्माण का कार्य पूर्ण किया गया। चूंकि आय कम होने के कारण घर का गुजारा बड़े ही मुश्किल से हो पाता था, उस स्थिति में स्वयं का पक्का मकान निर्माण कराया जाना किसी सपने से कम नहीं था। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने गंगाराम के पक्का मकान का सपना सच कर दिया और कच्ची मकान से जिन परेशानियों से गंगाराम का परिवार गुजर था उन सभी परेशानियों से अब उन्हें निजात मिली है।

तुलसा का पक्का मकान का सपना हुआ साकार

सुकमा जिले के छिंदगढ़ विकासखंड के छिंदगढ़ पंचायत निवासी तुलसा राणा पहले अपने खपरैल एवं मिट्टी से बने घर में रहते थे, अब प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत एक पक्का मकान बन जाने से चैन से अपने घर में आरामदायक जिंदगी व्यतीत कर रहे हैं। हितग्राही तुलसा राणा ने कभी सोचा नहीं था कि उनका परिवार कभी अपने सपनों का घर बना पाएगा, लेकिन इस योजना ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। अब वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सम्मानपूर्ण जीवन जी रहे हैं। हितग्राही तुलसा राणा ने पक्का आवास मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना में मिला है, वह मेरे परिवार के लिए एक सपना सच होने जैसा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से शंकर का सपना हुआ साकार

अतिसंवेदनशील छोटेबेठिया में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में शंकर बरकंदाज ने बताया कि वे अत्यंत गरीब परिवार से हैं

तथा पहले कच्चे मकान में रहने को विवश थे। पारिवारिक आर्थिक स्थिति दुर्बल होने के कारण पक्के मकान का निर्माण कर पाना उनके लिए असंभव था। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत उनका प्रकरण स्वीकृत हुआ, जिसके फलस्वरूप आज उनका अपना पक्का मकान पूर्ण रूप से तैयार हो चुका है। बरकंदाज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उन्हें और उनके परिवार को एक सुरक्षित आश्रय प्रदान किया है। उन्होंने भावुक होकर बताया कि पहले उनका जीवन कच्चे मकान की सीलन, असुरक्षा और कष्टों से भरा हुआ था, किन्तु अब इस योजना के अंतर्गत मिले आवास के कारण वे अपने परिवार के सभी सदस्यों के साथ सुखपूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं।

चिपावण्ड शिविर में उन्नति महिला समूह को मिला मत्स्य विभाग की योजनाओं का लाभ

कोण्डागांव विकासखंड के चिपावण्ड में आयोजित समाधान शिविर के दौरान मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन प्रसार कार्यक्रम अंतर्गत उन्नति महिला स्व-सहायता समूह को मछली पकड़ने का जाल प्रदान किया गया। समूह की अध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2011 में 14 सदस्यों के साथ समूह की शुरुआत की गई थी। सभी सदस्यों ने आजीविका के लिए मछली पालन को एक नए कार्य के रूप में अपनाया। उन्होंने गांव के तालाब को समूह के नाम स्वीकृत कराकर मछली पालन शुरू किया। बीते तीन वर्षों से सभी सदस्य इस कार्य में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। इससे एक सीजन में लगभग 45 हजार रुपए का लाभ प्राप्त कर रही हैं। समूह के सभी सदस्य अब इस कार्य को और विस्तार देना चाहती हैं, जिसके तहत विभाग में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। समाधान शिविर में उक्त आवेदन के निराकरण उपरांत समूह को मछली जाल प्रदाय किया गया। मछली जाल प्राप्त होने पर सभी हितग्राहियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बच्चे की परवरिश के कारण नहीं कर पाई रेड-2

मुंबई। अजय देवगन की हालिया रिलीज फिल्म 'रेड 2' में इलियाना डिक्रूज नजर नहीं आईं। जबकि वह इस फिल्म के पहले पार्ट का हिस्सा थीं। इलियाना की जगह वाणी कपूर को लिया गया। अब तक स्पष्ट नहीं था कि मेकर्स ने

ऐसा क्यों किया? हाल ही में इलियाना डिक्रूज ने इस बात से पर्दा उठाया है। अजय देवगन की फिल्म 'रेड (2018)' में इलियाना डिक्रूज ने मालिनी नाम का किरदार निभाया, यह अजय देवगन के किरदार की पत्नी का रोल था। इस रोल में इलियाना को पसंद भी किया गया। जब 'रेड 2' बनीं तो इलियाना नजर नहीं आईं, उनकी जगह वाणी कपूर दिखीं। इस रिप्लेसमेंट को लेकर तमाम तरह की बातें की गईं। अब इलियाना ने इस बात को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस से बातचीत के एक सेशन में इलियाना ने 'रेड 2' में काम ना करने को लेकर अपना पक्ष रखा। वह बताती हैं कि फिल्म के डायरेक्टर, मेकर्स ने उनसे कॉन्टैक्ट किया, लेकिन वह इन दिनों अपने बच्चे की परवरिश में व्यस्त हैं तो फिल्म नहीं कर पाई। इलियाना का कहना है कि मालिनी का किरदार उनके दिल के बहुत करीब है।

1971 की वो सुपरहिट फिल्म, जिसने 1 झटके में बदल दी थी 2 एक्टर की इमेज

नई दिल्ली। आज हम आपको एक ऐसी ही फिल्म के बारे में बताएंगे, जिसने दो सितारों की किस्मत बदल दी। 54 साल पुरानी यह फिल्म दोनों के करियर के लिए वरदान साबित हुई, जिसने दर्शकों की नजरों में उनकी छवि को पूरी तरह से बदल दिया। हम जिस फिल्म की हम बात कर रहे हैं, उसका नाम है 'मेरे अपने'। ड्रामा फिल्म 'मेरे अपने' में विनोद खन्ना और शत्रुघ्न सिन्हा लीड किरदारों में थे। साल 1971 में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही। खास बात है कि इसकी वजह से दोनों एक्टर्स की किस्मत बदल गई। इसमें मीना कुमारी भी अहम रोल में नजर आई थीं। 'मेरे अपने' गुलजार के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी।

फिल्म का डायलॉग आज भी हैं सुपरहिट

'मेरे अपने' से पहले विनोद खन्ना और शत्रुघ्न सिन्हा फिल्मों में निगेटिव रोल्स निभाने के लिए जाने जाते थे।इस मूवी ने उनकी इमेज को पूरी तरह से बदल दिया और उनके कॅरियर में एक अहम मोड़ साबित हुई। फिल्म का डायलॉग- 'श्याम आए तो कहना उससे मिलने छेनू आया था' आज भी सुपरहिट हैं।

सिर्फ 40 दिनों में पूरी हो गई थी शूटिंग

कमाल की बात है कि उस दौर में 'मेरे अपने' फिल्म की शूटिंग सिर्फ 40 दिनों में पूरी हो गई थी। रिलीज के बाद फिल्म सिनेमाघरों में छा गई थी। इस मूवी को देखने के लिए थिएटर्स के बाहर ऑडियंस की भीड़ लग गई थी।. इसका असर बॉक्स ऑफिस पर भी देखने को मिला हैं। 'मेरे अपने' फिल्म में मीना कुमारी ने बूढ़ी और विधवा महिला का रोल निभाया था। बॉक्स ऑफिस पर मेरे अपने बड़ी सफल साबित हुई, लेकिन दुर्भाग्यवश मीना कुमारी इसकी सक्सेस नहीं देख सकीं, क्योंकि फिल्म की रिलीज के कुछ ही समय बाद ही उनका निधन हो गया था।

मीना कुमारी की थी आखिरी फिल्म

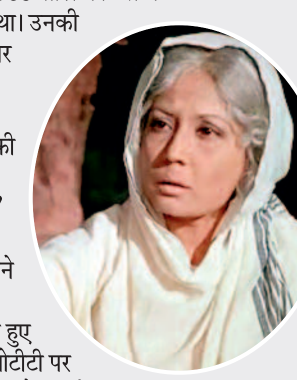

मीना कुमारी का निधन 31 मार्च 1972 को 38 साल की उम्र में हुआ था। उनकी मौत लिवर सिरोसिस के कारण हुई, जिसकी वजह उनकी शराब पीने की लत बताई जाती हैं। 'मेरे अपने' मीना कुमारी की आखिरी फिल्म बनी, जिसकी शूटिंग उन्होंने पूरी की थी। वैसे विनोद खन्ना और शत्रुघ्न सिन्हा की इस फिल्म को रिलीज हुए 54 साल हो चुके हैं, लेकिन आप इसका ओटीटी पर लुत्फ उठा सकते हैं। यह मूवी इन दिनों स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद हैं। इसे आईएमडीबी पर 10 में से 7.6 रेटिंग मिली हैं।

दिलजीत की फिल्म का आया फर्स्ट लुक

मुंबई। पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। उनकी सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'सरदार जी' का तीसरा पार्ट 'सरदार जी 3' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। दिलजीत ने हाल ही में इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। पोस्टर में दिलजीत एक अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं, जहां वो अपने ही मस्त मौला अंदाज में खड़े हुए हैं और उनके पीछे कई महिलाएं हैं जिनके चेहरों पर घूंघट पड़ा है। इस पोस्टर ने फिल्म के रोमांच और कॉमेडी की एक झलक फैंस को दिखा दी है। फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही उन्होंने टीजर जल्द ही आने की जानकारी भी दी।

प्रकृति से जुड़ने का गहरा संदेश देती है अर्थिंग...

मुंबई। 5 जून को दुनियाभर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा। इसी के उपलक्ष्य में फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली ने लोगों को जागरूक करने के लिए अजय देवगन अभिनीत एक शॉर्ट और आकर्षक फिल्म बनाई है। यह 'अर्थिंग' नामक वीडियो दिल को छू लेने वाला है, जिसमें प्राकृतिक महत्व को दर्शाया गया है। इस शॉर्ट वीडियो की शुरुआत कारखानों से निकल रहे धुएं, कूड़े के ढेर और दूषित नदियों के साथ होती है।

इसके बाद अजय अपनी गाड़ी एक जगह रुकवाकर हरे-भरे पार्क की जमीन पर आकर लेट जाते हैं और गहरी सांस लेते हैं। वहीं, अभिनेत्री शरवरी वाघ भी आ जाती हैं, जिस पर अभिनेता कहते हैं कि वो अर्थिंग ले रहे हैं। यानी अपने मूल अर्थात धरती से जुड़ने की बात कहते हैं। इस वीडियो के जरिए प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने का संदेश दिया गया है। इस एक मिनट 53 सेकेंड के वीडियो ने एक गहरा संदेश देने का काम किया है।

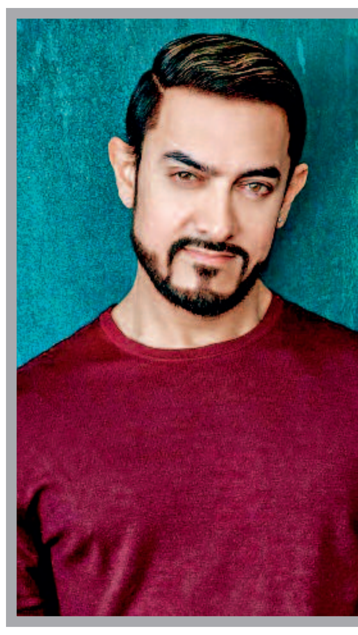

भव्य होगी आखिरी फिल्म इसके बाद कुछ नहीं

मुंबई। मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से मशहूर अभिनेता आमिर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'सितारें जमीन पर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'लाल सिंह चड्ढा' के ठंडे स्वागत के बाद फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच आमिर खान ने एक इंटरव्यू में ऐसी बात कही है, जिससे लगता है कि वह जल्द ही इंडस्ट्री को अलविदा कहने वाले हैं। आमिर खान ने अपनी आखिरी फिल्म के बारे में संकेत दिया है। आमिर खान लंबे समय से 'महाभारत' बनाने की अपनी इच्छा के बारे में बात करते रहे हैं। अब उन्होंने कहा है कि यह महाकाव्य नाटक उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। उन्होंने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा 'मुझे उम्मीद है कि मैं अपने जूते पहने हुए मरूंगा...'।

सीआईडी के लीजेंड एसीपी प्रद्युमन की वापसी में आया बड़ा ट्विस्ट

नई दिल्ली। एसीपी प्रद्युमन के रूप में सीआईडी में लौट आए हैं। शो से बाहर जाने के महज दो महीने के भीतर उनकी वापसी ने फैंस को हैरान और खुश दोनों कर दिया हैं। नेटफ्लिक्स इंडिया ने शनिवार को एक नया प्रोमो जारी किया जिसमें एसीपी की वापसी दिखाई गई, लेकिन इस बार कहानी में बड़ा ट्विस्ट है – उन्हें अपनी याददाश्त नहीं हैं। प्रोमो की शुरुआत एक चौंकाने वाले सीन से होती है, जहां प्रद्युमन अपने ही साथी दया (दयानंद शेट्टी) पर बंदूक ताने खड़े हैं। दया उन्हें पहचान कर बातचीत की कोशिश करता है, लेकिन एसीपी चेतावनी देते हैं कि वे पुलिस से एक पुराना हिसाब चुकता करने आए हैं। जब दया उन्हें सीआईडी की याद दिलाने की कोशिश करता है, तो एसीपी कहते हैं, 'सीआईडी? तुम पुलिस वाले हो? मुझे पुलिस से पुराना हिसाब बराबर करना है! इसके बाद वह गोली भी चला देते हैं, जिससे दया दंग रह जाता हैं।

42 की उम्र में दूसरी बार पापा बनेगा एक्टर

नई दिल्ली। 'बड़े अच्छे लगते हैं' और 'प्यार का दर्द है मीठा-मीठा प्यारा-प्यारा' फेम एक्टर नकुल मेहता 42 साल की उम्र में दूसरी बार पिता बनने जा रहे हैं। नकुल मेहता की पत्नी 39 साल की उम्र में दूसरी बार मां बनने जा रही हैं। एक्टर ने पत्नी जानकी पारेख की प्रेग्नेंसी का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है जिसके बाद कपल के फैंस और इंडस्ट्री के उनके दोस्तों ने उनपर जमकर प्यार लुटाया हैं। कपल ने सोशल मीडिया पर पत्नी जानकी पारेख की प्रेग्नेंसी फोटोशूट के फोटोज शेयर किए हैं जिनमें उनका पूरा परिवार साथ दिख रहा हैं। मैटरनिटी फोटोशूट की फोटोज में नकुल मेहता के साथ उनकी पत्नी जानकी पारेख और बेटा सूफी नजर आ रहे हैं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

कोटा स्टडी सर्कल® भिलाई/रायपुर

Navnat Panchayan 97% Class 10th
NEET, IIT-JEE PET/PAT
विशेषताएं
- कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
- हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के पृथक-पृथक बैचेस
- गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग हॉस्टल
- निश्चित समय के लिए 50% की छूट का लाभ उठायें

रायपुर कोटा सेंटर भाटिया कॉम्पलेक्स, जी.ई. रोड रायपुर (छ.ग.) 9301547784
भिलाई कोटा सेंटर बिल्डिंग नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई 9098534927

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- (आवास फ्री PF +ESIC) संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा, रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, 7747000016, 7746000019.(RO-074)

आवश्यकता है- सिक्योरिटी, सुपरवाइजर, सिक्योरिटीगार्ड की आवश्यकता है स्थान तेलीबांधा, सरोना, भाटागांव, एमजी रोड, चंदनडीह। संपर्क 9981144486. वेतन योग्यतानुसार न्यूनतम वेतन 8000/- समय 12 घंटे ड्यूटी। (RO-6878)

टीचर

Requirment- Jai Public Higher Secondary English Medium School Harinagar katul-boad Durg requires teachers for, Mathematics, Physics, Chemistry,Biology, Accountancy, Business studies,Economics,So. Science, Science English, Office clerk,contact with Resume before 10th june 2025, 9301398270. (आरो नं.-761)

आवश्यकता है- ज्ञान आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल प्रेम नगर गुढ़ियारी रायपुर (छ.ग.) हिंदी/ एवं अंग्रेजी माध्यम शिक्षक शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। मोबाइल - 9827403620. समय सुबह 8 से 12 बजे तक (RO-A)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- टाटीबंध में स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल /डीजल डालने हेतु मेल /फिमेल स्टॉफ की आवश्यकता है (समय - 12:00 से शाम 04:00 तक) संपर्क मो. न. - 9685652002, 8085098391 पता - चौबे कॉलोनी रायपुर (छ.ग.)(RO-6873)

ऑफिस बॉय/सहायक

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक स्टाफ ऑफिस बॉय एवं गर्ल सहायक हेतु समय सुबह 10:30 से 8 बजे तक इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें। श्री श्याम डेंटल क्लिनिक अशोका प्लाजा अशोका रतन शंकर नगर रायपुर मोबाइल - 8435533000. (RO-6879)

सेल्समैन

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में 12वीं पास लड़कों जो सेल्समैन का काम कर सके आवश्यकता है संपर्क करें जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति बिहार अमलीडीह रायपुर मो , 7469980000, 0771 4075490. (RO-6882)

घरेलु/मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- घर का घरेलू कार्य बाई 1 एवं टेली कालिंग कार्य हेतु 2 फीमेल एवं घर बैठे मार्केटिंग हेतु मेल - फीमेल चाहिए पार्ट टाइम/ फुल टाइम रहना खाना सुविधा अच्छे रिश्ता हेतु कास्ट नो बार कन्याएं बायोडाटा भेजिए मारवाड़ी मैरिज ब्यूरो भारतमाता चौक गुड़ियारी रायपुर 903932195. (RO-670)

कंप्यूटर ऑपरेटर

आवश्यकता है-कंप्यूटर में कार्य करने के लिए ऑपरेटर की आवश्यकता है। संपर्क करे - श्री राधेकृष्ण एजेंसी, 8 न्यू ब्लॉक ,फरिश्ता कॉम्पलेक्स, रायपुर. बायोडाटा भेजे - 9009449977 (RO-398)

ड्रायवर/सेल्समैन

आवश्यकता है- चायपत्ति के फैक्ट्री में गाड़ी चलाने के लिये ड्राईवर एंव अनुभवी सेल्समैन कि आवश्यकता है संपर्क जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM के सामने गली आकृति विहार अमलीडीह mo-74699-80000, 0771-4025490.(RO-6863)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 35 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, हाइड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 20000/- प्रतिमाह। रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी। जो तत्काल जॉइन कर सके वही संपर्क करें, बेवजह कॉल ना करें। पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222. (RO-08)

आवश्यकता है- होली हार्ट स्कूल कबीर नगर शाखा में स्कूल बस और वैन चलाने हेतु बैज धारी ड्राइवर की आवश्यकता है। लाइसेंस होना चाहिए संपर्क - 9399944649 (आरो - 6861)

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है स्थानः धनोरा दुर्ग , अनुभवः न्यूनतम 5 साल, ड्राइविंग लाइसेंसः वैध LMV लाइसेंस आवश्यक, वेतनः अनुभव के अनुसार, समयः सुबह 9बजे से शाम 7बजे तक,कामः ऑफिस / निजी कार चलाना संपर्क -96696-66601, 77719-67111. (आरो नं.-760)

आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में ड्रायविंग + लेबर कार्य हेतु वेतन 11,000, लेबर कार्य हेतु वेतन 9000 की आवश्यकता हैं। समय 9 से 8.30 बजे तक, मो. 9826182338, पता- ब्राम्हणपारा, रायपुर (RO-6981)

आवश्यकता है-इनोवा क्रिस्टा टैक्सी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है जिसको बाहर रहने में कोई तकलीफ ना हो वही कॉल करें रायपुर अमलीडीह 7470308181, 7697800066 (RO-510)

आवश्यकता है- फर्नीचर कं. में कार/ टाटा एस चलाने हेतु ड्राइवर अनुभव 3वर्ष उम्र अधिकतम 30वर्ष सैलरी + भत्ता गोदाम एवं शोरूम में मेहनती लड़कों की सेलरी योग्यतानुसार संपर्क राधा फर्नीचर्स धमधा रोड नीयर नागपुर बायपास ब्रिज दुर्ग (छ. ग.) मो .9425238441.(आरो नं.-762)

इंचार्ज/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- कलेक्शन एजेंसी को भिलाई क्षेत्र में आवश्यकता हैं (1) कॉलसेंटर इंचार्ज (फीमेल) पद -03 सैलरी -20000 + (2) टेलिकॉलर (फीमेल) पद 5 सैलरी (7000 - 10000) कंप्यूटर ,बैंकिंग व कलेक्शन क्षेत्र में अनुभव रखने वालों को प्राथमिकता (3) फील्ड एग्जीक्यूटिव पद -10 सैलरी 12000 +TA (4) ऑफिसबॉय पद 2 contact : 9329208862, 9589049626 हेड ऑफिस :- ई-जेनेसिस ,4 /16 दक्षिण गंगोत्री ,भिलाई (आरो नं.-SP/918)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- एम्बीशन कंपनी में सर्वे कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता हैं वेतन 12,000/- से 15,000 हजार तक पता- रायपुरा चौक सुंदर नगर एक्सिस बैंक के पास रायपुर Mob. 8839695067, 7247508331.(RO-6865)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान कार्य

आवश्यकता है- राखी दुकान में काम करने हेतु लडके-लडकियो की आवश्यकता है। संपर्क- गोपी राखी, रहमानिया चौक, बंजारी रोड, रायपुर (छ.ग.) मों.- 7024636503, 9827180503. (RO-6872)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- आफिस रखरखाव के लिए लड़का चाहिए, ईमानदार, मेहनती , 2 व्हीलर चला सके, जरुरतमंद ही संपर्क करें वेतन 8000 से शुरू फोन 9399463415.(RO-878)

आवश्यकता है- दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में आफिस कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार कॉल / मेसेज 7999847673. समय - 12 से 5 तक (आरो नं.-758)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः- म.प. उज्जैन । Co- 9630773028 9691233111. (RO-355)

शीघ्र आवश्यकता है- भुवनेश्वर ओडिशा में ऑफिस कार्य हेतु 18-30 वर्ष, 10th 12th , ग्रेजुएट लड़के चाहिए। वेतन 10000 + कमीशन बोनस के साथ कमाए 15000 से 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- 70009 48245, 6265636797.(RO-351)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 9798472261.(RO-919)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या- 725 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500+62500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार)- 7392890179. (RO-925)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित संपर्कः- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा- 9826020603. (RO-080)

Property प्रापर्टी

कृषिभूमि

बेचना है- प्राईम लोकेशन 02.70 एकड़ कृषि भूमि, नवा रायपुर , भेलवाडीह। डामर रोड पर 400' फ्रंट @ 1.15 करोड़ / एकड़। लेवाल ही संपर्क करें - 7987504355, 7477202779. (RO-6881)

बेचना है- कृषि भूमि अतिशीघ्र बेचना है ग्राम- रामपुर तहसील- दाढ़ी जिला- बेमेतरा (छ.ग.) में। सम्पर्क करें- 8817731165 (RO-37884)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

Finance फायनेंस

फाइनेंस - लोन धमाका रजिस्टर्ड कंपनी द्वारा 50,000 से 25 लाख तक ब्याज 4% सब्सिडी 25% होम लोन व्यापार पशुपालन मुर्गी पालन एवं महिला ग्रुप लोन पाने हेतु संपर्क करें, 8016953669, 8597107469. (RO-6880)

फाइनेंस - जनधन योजना अंतर्गत पूरे छत्तीसगढ़ मे लोन सिर्फ आधारकार्ड पर - (50,000/- से 25 लाख तक) (1% ब्याज वार्षिक) प्रॉपर्टी, पर्सनल, बिजनेस, दुकानदारी, ग्रुपलोन, सिबिल खराब लोन पाए, संपर्क - 9289384524. (आरो -911)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

फाइनेंस - सुंदरम फाइनेंस द्वारा पाएं घर बैठे लोन आसान किस्तों पर समूह लोन, बिजनेस लोन, आधार लोन, पर्सनल लोन, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रॉपर्टी लोन 2% ब्याज 30% छूट। हेल्पलाइन 8127684826, हेडऑफिस 9889062539 (RO-081)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

जैकेट के शेष

स्वागत है नौनिहालों...

बाहपानी स्थित स्कूल पहुंची, तो यहां संचालित सरकारी स्कूल भवन की स्थिति बेहद दयनीय नजर आई। स्कूल भवन की दीवारों का प्लास्टर पूरी तरह उखड़ चुका है। भवन की खिड़कियां, फ्लोरिंग आदि का भी हाल बेहाल है। इसी तरह विकासखण्ड पंडरिया के ही ग्राम बाहपानी, कुशयरी, महिडबरा, हथिगुड़ान, मजगांव, पंडरीपानी, सेमहरा, कांदावानी, छीरपानी, जगखनाडीह, सिंगपुर, रोखनी, तेलियापानी लेदरा, अधचरा, भेलकी, देवानपटपर, बोहिल, गभोड़ा, बिरकोना, चियाडॉढ, आगरपानी, फिफलीपानी, भेढ़ागढ़, अमनिया सहित दर्जनों ग्रामों के स्कूलों की स्थिति मरम्मत योग्य है। यही स्थिति कमोबेश जिले के विकासखण्ड बोड़ला, स. लोहारा तथा कवर्धा के ग्रामीण व वनांचलों की भी है।

बरसात में टकपकती ...

स्कूलों में पानी भरने से बच्चों को छुट्टी दे दी जाती है।

कई स्कूलों के पास ...

सरकारी प्राथमिक शाला और पूर्व मध्यमिक शाला, ग्राम लोखान की प्राथमिक शाला का संचालन वर्तमान में ग्राम पंचायत भवन में ही किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस सूची में जिले के विकासखण्ड पंडरिया, बोड़ला, स. लोहारा तथा कवर्धा की कई और शालाएं हैं।

मरम्मत के नाम पर ...

तो की जा सकती है, लेकिन मरम्मत नहीं हो सकती। सरकारी स्कूल के कुछ प्राचार्यों ने बताया कि दो साल बाद उन्हें इस बार दस हजार रुपए की राशि शासन द्वारा स्कूल मरम्मत और स्टेशनरी आदि के नाम से दी गई है।

ईओडब्लू ने शराब ....

जब्त किए गए।

दो साल से था फरार : शराब कारोबारी विजय भाटिया के घर पर दो साल पहले भी टीम ने दबिश दी थी। उसी दिन भाटिया फरार चल रहा था। लंबे समय बाद ईओडब्लू ने उसे गिरफ्तार किया है। हालांकि इस घोटाले में टीम ने बारिकी से जांच कर अब तक दर्जन भर से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। यहां यह बताना लाजिमी है कि विजय भाटिया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी माने जाते रहे हैं।

इन धाराओं के तहत केस दर्ज : आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने शराब घोटाला में विजय भाटिया के विरुद्ध धारा 7, 12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम 2018) एवं भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

सुबह 5 बजे ...

के बाद उसे एक दिन के लिए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सूत्रों के अनुसार एसीबी-ईओडब्ल्यू ने भाटिया को 14 दिनों की रिमांड पर लेना चाहती है। इसके लिए विशेष कोर्ट में अर्जी भी लगाई जाएगी। बताया जा रहा है कि यह अर्जी रविवार को रिमांड कोर्ट में भी लगाई गई थी, लेकिन रिमांड कोर्ट को विशेष कोर्ट का पावर नहीं होने के कारण यह अर्जी मंजूर नहीं की गई।

जानिए क्या है शराब ...

ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर की जांच फिलहाल एसीबी ही कर रही है। एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार साल 2019 से 2022 तक सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई। इससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है। इस मामले में विजय भाटिया की कंपनी भाटिया वाइन मर्चेंट ने छत्तीसगढ़ की 28 प्रतिशत दुकानों में शराब की सप्लाई की। आरोप है कि डुप्लीकेट होलोग्राम के जरिए सरकार को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया। मामले में दो अन्य कंपनियां छत्तीसगढ़ डिस्टलरी को 48 प्रतिशत दुकान और वेलकम डिस्टलरी को 24 प्रतिशत दुकानों में सप्लाई का ठेका मिला था। ईडी ने अपनी जांच रिपोर्ट में यह जानकारी दी, जिसके आधार पर एसीबी ने मामले में अपराध दर्ज किया। फिलहाल इस मामले में जांच की जा रही है।

45 लाख मांगे ...

अमित सिंघल दिल्ली स्थित कर-सेवा निदेशालय, में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर तैनात हैं। उनके साथ ही हर्ष कोटक नाम के एक निजी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सिंघल ने निजी दलाल के माध्यम से एक मामले में शिकायतकर्ता से 45 लाख रुपये के रिश्वत की मांग की थी। उसी रकम के आंशिक भुगतान के रूप में 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगने तथा स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों पर केस दर्ज : सीबीआई ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी लोक सेवक ने राजस्व/आयकर विभाग की ओर से शिकायतकर्ता के साथ अनुकूल व्यवहार करने के बदले में उससे 45 लाख रुपए की अवैध रिश्वत मांगी थी। रिश्वत मांगने के साथ-साथ आरोपियों द्वारा शिकायतकर्ता को कानूनी कार्रवाई, भारी जुर्माना लगाने तथा अनुपालन न करने की स्थिति में उत्पीड़न की धमकी भी दी गई थी।

135 हजार की ....

बाद दोबारा कोयला उत्खनन व डिस्पैच कार्य शुरू किया गया। कुसमुंडा खदान से रोजाना 135 हजार टन कोयला उत्पादन किया जाता है। रोजाना लक्ष्य के मुकाबले शनिवार को महज 40 हजार टन कोयला उत्पादन किया गया। वहीं बारिश का असर कोल डिस्पैच पर भी देखने को मिला। खदान में रोजाना 155 हजार टन कोयला डिस्पैच किया जाता है, जिसके मुकाबले 82.9 हजार टन कोयला डिस्पैच किया गया। खदान में पानी घुसने का वीडियो सोशल नेटवर्क में भी वायरल हुआ। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि माइंस में पानी का बहाव एक नदी की तरह हो रहा है। इसमें माइन रोड पर तेज बहाव और बेंचों से गिरते पानी के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो किसी ऑपरेटर या सहकर्मी द्वारा बनाया गया है। पानी की वजह से माइंस के अंदर काम करना मुश्किल हो गया है, और उत्पादन ठप हो गया। सूत्रों की मानें तो एसईसीएल प्रबंधन की लापरवाही की वजह से बार-बार कुसमुंडा माइंस में पानी भर रहा है। प्रबंधन की ओर से माइंस की सुरक्षा और रख-रखाव के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जा रहे हैं, जिसकी वजह से यह समस्या उत्पन्न हुई है। माइंस में पानी भरने से न केवल उत्पादन प्रभावित हुआ है, बल्कि कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा रहा है। कर्मचारियों ने प्रबंधन से मांग की है कि माइंस की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

सामान्य रूप से ....

विशेषतः तेज बारिश के समय, कर्मियों और मशीनों की सुरक्षा के मद्देनजर कार्य होल्ड किया जाता है और फिर शुरू कर दिया जाता है यह एक सेफ्टी प्रोटोकॉल है। कुसमुंडा खदान सामान्य रूप से संचालित है यह बंद नहीं है और तीनों पालियों में यहाँ कोयला निकाला गया है।

किसी की डांट ....

शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से शिक्षक को बरी करने से इनकार कर दिया गया था। पूरे मामले पर विचार करने के बाद, हम इसे हस्तक्षेप के लिए उपयुक्त मामला पाते हैं। जैसा कि अपीलकर्ता ने सही ढंग से प्रस्तुत किया है, कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने के कारण, वह भी एक छात्र की शिकायत के आधार पर, इतनी त्रासदी हो सकती है कि डांटने के कारण छात्र ने खुदकुशी कर ली। सुको ने कहा कि इस तरह की डांट-फटकार कम से कम यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि दूसरे छात्र द्वारा की गई शिकायत पर ध्यान दिया जाए और सुधारात्मक उपाय किए जाएं।

पेज एक के शेष

मुकाबला चला 21 दिन....

में सुरक्षाबलों ने करोड़ों के ईनामी 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इसी बीच पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आंतकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति को देखते हुए बस्तर में तैनात पेरामिलिट्री फोर्स को बेकअप के लिए वापस जाना पड़ा। इस ऑपरेशन के बाद ऑपरेशन करेंगुट्टा को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया, जिससे करेंगुट्टा में छिपे कई शीर्ष नक्सलियों को भागने का मौका मिल गया। ऑपरेशन सिंदूर नहीं होता तो मारे गए नक्सलियों की संख्या में काफी ईजाफा होता।

ऑपरेशन करेंगुट्टा हिल्स से...

लगे हुए हैं। इसके चलते ग्रामीणों के लिए अब भी उनकी परम्परा व संस्कृति के लिए बाधक बनी हुई है। बावजूद ग्रामीणों में इस बात की खुशी है कि जल्द ही इन इलाकों से नक्सलियों को खदेड़ते हुए नक्सलमुक्त कर लिया जाएगा। इसी करेंगुट्टा हिल्स के करीब छग के बीजापुर जिले का पुजारी कांकेर, गलगम, उदलापल्ली, चिनाउटलापल्ली, भीमारग, मल्लेपेट्टा, गुंजेपाल के अलावा तेलगांना के आधा दर्जन गांव आते है, जहां दोनों राज्यों के हजारों लोग निवासरत है।

गुफा व सुरंगों में...

हिल्स पहुंचने में कामयाब हुई थी। इस दौरान 18 आईईडी विस्फोट में डेढ़ दर्जन जवान भी घायल हुए थे। नक्सलियों को घेरते हुए जब फोर्स लगातार आगे बढ़ रही थी, इस दौरान करेंगुट्टा हिल्स में सैकड़ों गुफाएं व सुरंग मिले। इन्हीं सुरगों में नक्सली पनाह लिए हुए थे और चूहों की तरह फंसते पाए जाने पर फोर्स पर फायरिंग शुरू कर दी थी, लेकिन भागने में असफल रहे। वर्तमान में भी सैकड़ों की संख्या में करेंगुट्टा हिल्स में सुरंग व गुफाएं हैं, जहां नक्सलियों के छुपे होने तथा हथियार, आईईडी व विस्फोटक डंप किए जाने की संभावना है।

आईजी ने कहा, समय...

करेंगुट्टा हिल्स से माओवादियों की 4 तकनीकी ईकाइयों को नष्ट किया।

रायपुर से दिल्ली ....

फ्लाइट रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना हुई, लेकिन जैसे ही दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान उतरने वाला था, मौसम ने करवट बदल ली। दिल्ली में धूल भरी आंधी शुरू हो गई, जिसके कारण रनवे पर विजिबिलिटी भी कम हो गई थी। जब विमान जमीन से कुछ ही मीटर पर था तो पायलट ने यात्रियों को सूचना दी कि मौसम लैंडिंग के लिए अनुकूल नहीं है और हवा की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

दिल्ली के जंगपुरा में चला बुलडोजर मद्रासी कैंप में तोड़ी गईं 300 झुग्गियां

नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जंगपुरा इलाके के मद्रासी कैंप में नगर निगम और प्रशासन ने 300 से ज्यादा झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया है। आज सुबह से स्पेशल टास्क फोर्स की टीम कार्रवाई में जुटी हुई है। इस दौरान लोगों को विरोध को देखते हुए दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स भी तैनात की गई है। 9 मई को दिल्ली हाई कोर्ट ने मद्रासी कैंप को हटाने का आदेश दिया था।

जानिए क्या है मद्रासी कैंप

मद्रासी कैंप की स्थापना 1968 और 1970 के बीच हुई थी। यहां 300 से ज्यादा झुग्गियों में बीते करीब 60 सालों से लोग रहे हैं। इसे 16 किलोमीटर लंबे बारापुला नाले से जुड़ी एक जीर्णोद्धार परियोजना के लिए साफ किया जा रहा है, जो एक मुगलकालीन संरचना है। इसे लगभग 400 साल पुराना माना जाता है।

शब्द पहेली - 5885

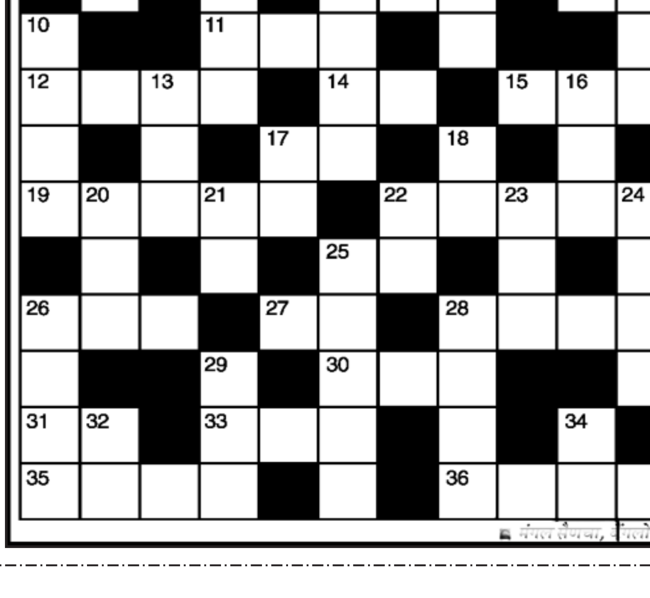

बाएँ से दाए
1. धरोहर, थाती-4
5. अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8. गुणगान-3
9. प्रेम (अंग्रेजी-2)
11. भरोसा, विश्वास-3
12. दुःख, परेशानी, कष्ट-4
14. हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15. गागर, घड़ा-3
17. जांघ-2
19. असावधान-5
22. करतूत, होशियारी-5
25. डूबा हुआ, समाप्त-2
26. तीक्ष्ण, तेज-3
27. अधर्म, अपकृत्य-2
28. मनमौजी, चंचल-4
30. हत्या, वध-3
31. पंख-2
33. मायका-3
35. व्यापार, व्यवसाय (उर्दू-4)
36. कृपा, रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे
2. फूलों का हार-2
3. वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4. शांति, सुख-चैन-3,2
5. अस्वस्थ, मरीज-3
6. दम, ताकत-2
7. भगवान राम के पुत्र-2,2
10. उन्मत, मदमस्त-4
13. दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16. बोलने का तरीका-3
17. रास्ता-2
18. पराया-2
20. परीक्षा-3
21. वचन-2
22. खेती-2
23. अभिमान-3
24. फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25. बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26. ईश्वर, राजा-4
28. मन को अच्छा लगने वाला-4
29. शाप से पीड़ित-3
32. अवकाश, मंजूरी-2
34. संध्या-2

शब्द पहेली- 5884 का हल

	रा	ज	कु	मा	र		म	नो	ह	र
दौ	र		ली		ख	न	न		र	वा
ल		जा	न	व	र		न	ल		य
त	न	य			खा	र		की	म	त
खा		दा		ना	व		ड		दा	
ना	र	द	मु	नी		प	र	व	री	श
	फ्ता		ख		स	द		र्ध		क
भ	र	ना		स	भा			मा	हि	र
या		का	का		भ	द्दा	प	न		कं
न	न		त	ना	व		ह		दा	द
क	म	जो	र		न	ग	र	वा	सी	

पश्चिम बंगाल के लोग ममता और टीएमसी को सबक सिखाएंगे

पहलगाम हमले पर चुप रहीं ममता, अब ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर वोट बैंक को कर रहीं खुश

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में कहा- ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन एक्ट का विरोध कर रही हैं। ममता ऐसा करके देश की माताओं और बहनों का अपमान कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में राज्य की माताएं और बहनें ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने के लिए सीएम ममता और टीएमसी को सबक सिखाएंगी। इससे पहले शाह ने राजारहाट में सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश भर में ऐसे 8 संस्थान पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। आठ और स्थापित करने की योजना है। हमने हर जिले में फोरेंसिक वैन स्थापित करने के लिए हर राज्य को मदद दी है। कई राज्यों ने अपनी फोरेंसिक लैब का विस्तार किया है।

सेना के ऑपरेशन सिंदूर का अपमान किया

जब भारतीय सेना उस हमले का बदला लिया तो ममता और उनके नेताओं ने फर्जी टिप्पणियां कर 'ऑपरेशन सिंदूर' का अपमान किया। यह सब उन्होंने मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए किया। शाह ने कहा बंगाल की जनता को ममता बनर्जी को सिंदूर की ताकत दिखानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'हमें पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनानी है, घुसपैठ रोकनी है, भ्रष्टाचार रोकना है, हिंदुओं का पलायन रोकना है।'

'भतीजे को सीएम बनाना चाह रहीं ममता'

अमित शाह ने कहा, 'पश्चिम बंगाल का चुनाव न केवल बंगाल का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए देश की सीमाएं खोल दी हैं। वह घुसपैठ की इजाजत दे रही हैं ताकि घुसपैठ जारी रहे और उनका वोट बैंक बढ़ता रहे और आपके बाद आपका भतीजा सीएम बन जाए। लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है।

'दीदी, मेरी बात सुनिए, अब आपका समय खत्म हो गया है'

अमित शाह ने कहा, '... दीदी, मेरी बात सुनिए, अब आपका समय खत्म हो गया है। 2026 में भाजपा सरकार बनाएगी। वर्षों तक बंगाल में कम्युनिस्टों का शासन रहा। उसके बाद ममता बनर्जी 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर आईं। उन्होंने बंगाल की महान भूमि को घुसपैठ, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, बम विस्फोट और हिंदुओं के साथ अनैतिकता की भूमि में बदल दिया। ममता के सीएम बनने के बाद पश्चिम बंगाल में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई।

मुर्शिदाबाद दंगा राज्य प्रायोजित था

दो दिन के पश्चिम बंगाल दौरे के पहले दिन शाह ने विजय संकल्प कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा- जब पहलगाम आतंकी हमले में बंगाल के पर्यटक मारे गए, तब ममता बनर्जी चुप रहीं। मुर्शिदाबाद दंगा राज्य प्रायोजित था। गृह मंत्रालय ने यहां बीएसएफ की तैनाती की बात कही थी, लेकिन ममता सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया, जिससे हिंसा जारी रहे।

सांप्रदायिक दंगों में 3 लोगों की मौत हुई

शाह ने कहा कि वक्फ संशोधन एक्ट को लेकर मुर्शिदाबाद में हुए दंगों में टीएमसी के कई सीनियर लीडर शामिल थे। दंगों में 3 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ममता बनर्जी तुष्टीकरण की राजनीति के लिए कानून के खिलाफ हैं। शाह ने कहा कि टीएमसी बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए बंगाल की सीमाएं खोल दी हैं।

भारत में साल 2026 तक होगी 10 लाख एआई पेशेवरों की आवश्यकता, रिपोर्ट में दावा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पेशेवरों की मांग में जबरदस्त इजाफा हो रहा है और 2026 तक ऐसे 10 लाख कुशल लोगों की आवश्यकता होगी। यह पूर्वानुमान केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा जारी 'भारत की एआई क्रांति विकसित भारत के लिए एक रोडमैप' नामक रिपोर्ट में जताया गया है। मांग में यह उछाल देश की 2047 तक 23,000-35,000 अरब डॉलर (करीब 11.55-29.75 लाख अरब रुपये) की अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा से प्रेरित है। व्हीबॉक्स की इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 में भविष्यवाणी की गई है कि भारत का एआई उद्योग 2025 तक 28.8 अरब डॉलर (2,448 अरब रुपये) तक पहुंच जाएगा। रिपोर्ट में उच्च शिक्षा खासकर इंजीनियरिंग में बड़े बदलाव पर प्रकाश डाला गया है, ताकि एआई-संचालित नौकरी बाजार की मांगों को पूरा किया जा सके। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने 2024-25 शैक्षणिक वर्ष के लिए स्वीकृत बीटेक सीटों में लगभग 16 फीसदी की वृद्धि की सूचना दी है।

तकनीकी शिक्षा में आया बदलाव

भारत का तकनीकी शिक्षा परिदृश्य तेजी से अंतःविषय और उद्योग-एकीकृत शिक्षा को अपना रहा है। इससे कोडिंग, क्रिएटिंग, सहयोग और नवाचार का नेतृत्व करने में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले इंजीनियर्स की नई पीढ़ी तैयार की जा सके। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित से कला को जोड़ने की ओर बदलाव जोर पकड़ रहा है।

इजरायल के साथ युद्धविराम पर सहमत हुआ हमास, बंधकों की रिहाई के बदले रखीं ये शर्तें

एजेंसी ▶▶| गाजा

हमास इजरायल के साथ अमेरिका द्वारा प्रस्तावित किए गए युद्धविराम समझौते पर सहमत हो गया है। उसने कहा है कि वह इजरायल से 'एक निश्चित संख्या में' फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में 10 जीवित बंधकों और 18 शवों को सौंपेगा। हालांकि, इसके लिए हमास ने कुछ शर्तें भी रखी हैं। समूह ने कहा कि इस प्रतिक्रिया का उद्देश्य गाजा में स्थायी युद्धविराम और इजरायली सेना की पूर्ण वापसी है।

युद्धविरम समझौते में क्या-क्या शामिल है?

प्रस्तावित समझौते के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि युद्धविराम 60 दिन के लिए लागू होगा। इस दौरान पहले सप्ताह में 28 इजरायली बंधकों (जीवित और मृत) की रिहाई की जाएगी। स्थायी युद्धविराम लागू होने के बाद 30 और बंधकों की रिहाई होगी। बदले में इजरायल 1,236 फिलिस्तीनी कैदी और 180 फिलिस्तीनियों के शव सौंपेगा। गाजा में मानवीय सहायता भी भेजी जाएगी।

हमास ने क्या शर्तें रखीं?

हमास ने कहा है कि वो यह गारंटी चाहता है कि गाजा में फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता लगातार मिलती रहेगी। इसके अलावा गाजा में स्थायी युद्धविराम और इजरायली सेना की पूरी तरह से वापसी की शर्त भी हमास ने रखी है। खासतौर पर अमेरिका की गारंटी, बंधकों की रिहाई का समय, मानवीय सहायता की डिलीवरी और इजरायली सेना की वापसी पर।

भाजपा का कर्नल सोफिया और व्योमिका को प्रचार अभियान में शामिल करने से इनकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा ने कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह को अपने चुनाव प्रचार अभियान में शामिल करने से जुड़ी सभी रिपोर्टों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इस संबंध में बयान जारी करते हुए स्थिति को स्पष्ट किया है।

बता दें कि मीडिया ने इन दोनों अधिकारियों के 19 जून को केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में महिला-केंद्रित अभियान का चेहरा होने की खबर चलाई थी। भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने रविवार को उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि पार्टी की कर्नल सोफिया कुरैशी या विंग कमांडर व्योमिका सिंह को चुनाव प्रचार का चेहरा बनाने की कोई योजना है।

मालवीय ने दिया यह बयान : मालवीय ने ऐसी रिपोर्ट को 'फर्जी खबर' करार देते हुए स्पष्ट किया कि भाजपा की किसी भी महिला अधिकारी को चुनाव प्रचार में चेहरा बनाने की कोई योजना नहीं है। भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कर्नल कुरैशी को अपने समुदाय में एक सशक्त मुस्लिम महिला के रूप में उजागर करने के बारे में सीमित टिप्पणी की थी। उसमें कुछ गलत नहीं था।

मीडिया रिपोर्ट में क्या दावा किया गया?

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह भाजपा के चुनाव अभियान का चेहरा होंगी। इसमें कहा गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रेस ब्रीफिंग का नेतृत्व करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह 19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा की ओर से शुरू किए जाने वाले महत्वाकांक्षी महिला केंद्रित अभियान का चेहरा होंगी।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-3, तहसील व जिला रायपुर

आम सूचना

दिनांक 28/05/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम डूमरतालाब प.ह.नं. 53 रा.नि.मं. रायपुर 3, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्री सुखदेव प्रसाद यादव पिता दुलारी लाल यादव निवासी जोरा तालाब के पास, सरकंडा बिलासपुर द्वारा ग्राम डूमरतालाब प.ह.नं. 53 रा.नि.मं. रायपुर 3 तहसील व जिला रायपुर स्थित खसरा नंबर 253/5 रकबा 0.0140 हेक्टेयर भूमि सीमांकन हेतु आवेदन नायब तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 15/05/2025 के परिपालन में हमारे द्वारा सीमांकन दिनांक 11/06/2025 समय 4.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है।

अतः उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदित खसरा नंबरों के संबंध में जो भी दावा या आपत्ति हो तो समक्ष में प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थित में भी सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-3, कोटा
तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

सूडोकु नवताल - 5895

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5894 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

खबर संक्षेप

टीवीएस मोटर की वाहन बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी की मई में कुल बिक्री 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,31,275 इकाई रही है। कंपनी ने पिछले साल मई में कुल 3,69,914 गाड़ियां बेची थीं। मई में दोपहिया वाहन बिक्री में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस खंड में बिक्री मई में बढ़कर 4,16,166 इकाई हो गई, जो मई, 2024 में 3,59,590 इकाई थी।

किआ इंडिया की बिक्री में 14 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली। किआ इंडिया ने रविवार को बताया कि मई में घरेलू बाजार में उसकी थोक बिक्री सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़ी। कंपनी ने पिछले महीने 22,315 इकाइयां बेचीं, जबकि मई 2024 में यह आंकड़ा 19,500 इकाई था। किआ इंडिया ने एक बयान में कहा कि हाल ही में पेश की गई कैरेंस क्लैविस को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

महिंद्रा की वाहन बिक्री मई में 17 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) की मई में कुल वाहन बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 84,110 इकाई रही है। मुंबई स्थित कंपनी ने रविवार को बताया कि बहुद्देशीय वाहन खंड में, इस दौरान उसने घरेलू बाजार में 21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 52,431 वाहन बेचे। यह आंकड़ा पिछले साल के मई माह में 43,218 इकाई रहा था।

ब्याज दर में लगातार तीसरी बार कटौती कर सकता है आरबीआई

एजेंसी ⏭ मुंबई

मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे बने रहने के कारण, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर में शुक्रवार को लगातार तीसरी बार 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। इससे अमेरिका के आयात शुल्क बढ़ाने से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितता के बीच वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

- मुद्रास्फीति के चार फीसदी से नीचे बने रहने के कारण कटौती संभव

रिजर्व बैंक की दर-निर्धारण समिति मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चार जून को अगली द्विमासिक मौद्रिक नीति पर विचार-विमर्श शुरू करेगी और छह जून (शुक्रवार) को निर्णय की घोषणा करेगी। आरबीआई ने फरवरी और अप्रैल में प्रमुख ब्याज दर (रेपो) में 0.25-0.25 प्रतिशत की कटौती की, जिससे यह छह प्रतिशत पर आ गई।

शुक्रवार को तीसरी बार 0.25 फीसदी कर सकता है कटौती

मुद्रास्फीति के चार फीसदी तक रहने का अनुमान

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के बड़े हिस्से के लिए सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत तक रहने के अनुमान के साथ, एमपीसी द्वारा मौद्रिक ढील जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा, "अगले सप्ताह 0.25 प्रतिशत की दर में कटौती की उम्मीद है।

तरलता की स्थिति बहुत सहज

बैंक ऑफ बड़ोदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, "हमारा मानना है कि मुद्रास्फीति की अपेक्षाकृत सौम्य स्थितियों और आरबीआई के विभिन्न उपायों के माध्यम से तरलता की स्थिति को बहुत सहज बनाए जाने के कारण, एमपीसी छह जून को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करेगी। वृद्धि और मुद्रास्फीति, दोनों पर टिप्पणी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि दोनों मापदंडों के लिए उनके पूर्वानुमानों में संशोधन की उम्मीद है।"

नीति तटस्थ से बदल उदार करने का फैसला

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने भी अपनी अप्रैल की नीति में रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'उदार' करने का फैसला किया। फरवरी, 2025 से नीतिगत रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती के जवाब में, अधिकांश बैंकों ने अपनी रेपो से संबद्ध बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दरों (ईबीएलआर) और कोष-आधारित उधार दर की सीमांत लागत (एमसीएलआर) को कम कर दिया है।

पूर्व वित्त सचिव गर्ग ने कहा- प्रति व्यक्ति आय में सुधार होना जरूरी

भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर प्रति व्यक्ति आय बढ़ने से ही लोग होंगे विकसित

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने कहा है कि भारत कुछ समय में भले ही चौथी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, लेकिन देश के लोगों को वास्तव में तभी 'विकसित' और आर्थिक रूप से बेहतर माना जा सकता है जब उनकी प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी और इस मामले में कोई अच्छा सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी लगभग 2,450 डॉलर (लगभग 2,09,622 रुपये) थी और इस मामले में देश 150वें स्थान पर है।

गर्ग ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों को देखा जाए तो भारत अभी चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं बना है। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने हाल में कहा था कि भारत, जापान को पीछे छोड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

भारत की जीडीपी 3910 अरब डॉलर है

हालांकि, बाद में नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने इसका खंडन किया था। इस बारे में पूछे जाने पर गर्ग ने कहा, "आईएमएफ देशों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को मौजूदा अमेरिकी डॉलर में मापता है। मुद्रा कोष के 2024-25 के लिए विश्व आर्थिक परिदृश्य आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी 3,910 अरब डॉलर है जबकि यह जापान के मामले में 4,030 अरब डॉलर है।

जीडीपी जितनी बड़ी होगी संसाधन उतने ज्यादा होंगे

एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, जीडीपी जितनी बड़ी होगी, विकास और राजकाज के लिए संसाधन उतने ही ज्यादा होंगे। 2024 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी (विश्व बैंक इसे मापता है और सालाना आंकड़े प्रकाशित करता है) लगभग 2,450 डॉलर (लगभग 2,09,622 रुपये) थी और भारत 150वें नंबर पर है।

जापान की जीडीपी 25 वर्षों में हुई कम

गर्ग ने कहा, आईएमएफ अगले छह साल के आंकड़ों का भी अनुमान लगाता है। अभी तक अनुमान 2030 (भारत 2030-31) तक के हैं। आईएमएफ ने 2025 में भारत की जीडीपी 4,197 अरब डॉलर (4.197 ट्रिलियन डॉलर) होने का अनुमान लगाया है, जबकि जापान की जीडीपी (वैसे जापान की जीडीपी पिछले 25 वर्षों में अमेरिकी डॉलर के हिसाब से काफी कम हुई है)।

- वर्ष 2024 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 2450 डॉलर रही
- प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में देश 150वें स्थान पर
- आईएमएफ के आंकड़ों के अनुसार भारत अभी चौथी अर्थव्यवस्था नहीं

भारत अभी भी जापान से आगे नहीं निकला

वास्तविकता यह है कि भारत अभी जापान से आगे नहीं निकला है। अभी हम चौथी अर्थव्यवस्था नहीं बने है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में 6.5 प्रतिशत रही और इसके साथ अर्थव्यवस्था का आकार 3,900 अरब डॉलर (330.68 लाख करोड़) रहा।

अमेरिकी डॉलर में जीडीपी के आंकड़े मानक है

यह पूछे जाने पर कि भारत कबतक दुनिया में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, उन्होंने कहा, "इस संदर्भ में आईएमएफ के वर्तमान अमेरिकी डॉलर में जीडीपी के आंकड़े मानक हैं। इसके आधार पर देशों को उनके अमेरिकी डॉलर में जीडीपी की स्थिति के हिसाब से क्रम में रखा जाता है।"

तीन बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका, चीन और जर्मनी

आईएमएफ के 2024 के विश्व आर्थिक परिदृश्य के आंकड़ों के अनुसार, तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका, चीन और जर्मनी के जीडीपी का आकार क्रमशः करीब 29,180 अरब डॉलर, 18,750 अरब डॉलर तथा 4,660 अरब डॉलर था। वहीं अप्रैल, 2025 (2025-26) के आंकड़ों के अनुसार, इसके क्रमशः 30,510, 19,230 अरब डॉलर तथा 4,740 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

रिजर्व बैंक ने बीते वित्त वर्ष में 353 बैंकों पर लगाया जुर्माना

एजेंसी ⏭ मुंबई

- अन्य विनियमित इकाइयों पर भी जुर्माना लगाया गया
- इन जुर्मानों के तहत राशि 54.78 करोड़ रुपए बैठती है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बीते वित्त वर्ष (2024-25) में विनियमित इकाइयों (आरई) के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की और क़ानून के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए कुल 353 जुर्माने लगाए। इन जुर्मानों के तहत राशि 54.78 करोड़ रुपये बैठती है। ये उल्लंघन/गैर-अनुपालन, बैंकों में साइबर सुरक्षा ढांचे; जोखिम मानदंड और आईआरएसी मानदंड; अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) निर्देश; धोखाधड़ी वर्गीकरण और रिपोर्टिंग निर्देश; सीआरआईएलसी पर सूचना की रिपोर्टिंग; और क्रेडिट सूचना कंपनियों (सीआईसी) को कर्ज जानकारी देने से संबंधित थे।

आरबीआई की वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, "वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग ने विनियमित इकाइयों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की और समय-समय पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए कुछ निर्देशों और कानूनों के प्रावधानों के उल्लंघन/गैर-अनुपालन के लिए कुल 54.78 करोड़ रुपये के 353 जुर्माने लगाए।"

पिछले वर्ष आठ पीएसयू बैंकों पर लगा था जुर्माना

पिछले वित्त वर्ष के दौरान आठ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) पर 11.11 करोड़ रुपये और 15 निजी बैंकों पर 14.8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया। छह विदेशी बैंकों पर भी जुर्माना लगाया गया।

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुझान इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

उनका कहना है कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां और शुल्क के मोर्चे पर घटनाक्रम भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, आगे की ओर देखें, तो सभी की निगाह छह जून को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति घोषणा पर रहेगी। इसके अलावा नए माह की शुरुआत के साथ वाहन बिक्री और आर्थिक गतिविधियों का संकेत देने वाले अन्य आंकड़े आएंगे। साथ ही सभी की निगाह मानसून की प्रगति और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह पर भी रहेगी।"

- ब्याज दर पर रिजर्व बैंक के निर्णय, वृहद आर्थिक आंकडे होंगे महत्वपूर्ण

रेपो दर पर रहेगी निगाह

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख-संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, "इस सप्ताह केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दर में कटौती की उम्मीद के बीच ब्याज दर की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र, विशेष रूप से सरकारी बैंकों के शेयरों पर सभी की निगाह रहेगी।

केनरा बैंक ने न्यूनतम शेष पर जुर्माने को किया खत्म

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने सभी प्रकार के बचत खातों में औसत मासिक राशि (एएमबी) की जरूरत को पूरी तरह से खत्म करने की घोषणा की है। इसके तहत बैंक खाते में न्यूनतम राशि से कम जमा होने पर खाताधारक पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। इसमें बचत खाते, वेतन खाते, एनआरआई बचत खाते आदि शामिल हैं।

बैंक ने बयान में कहा कि यह आदेश एक जून, 2025 से प्रभावी हो गया है। केनरा बैंक के किसी भी बचत खाता ग्राहक को अपने खाते में न्यूनतम शेष राशि बनाए न रखने के लिए दंड या शुल्क का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे पहले, बैंक के ग्राहकों को अपने खाते के प्रकार के आधार पर न्यूनतम औसत मासिक शेष राशि बनाए रखना पड़ता था। इन मानदंडों को पूरा नहीं करने पर जुर्माना लगाया जाता था।

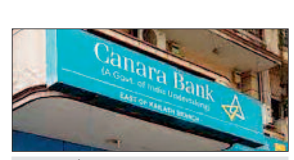

- आदेश एक जून 2025 से प्रभावी हो गया

एलआईसी रिकॉर्ड 19,013 करोड़ मुनाफे वाला शीर्ष पीएसयू बना

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में सबसे अधिक लाभ कमाने वाली कंपनी बन गई है।

एलआईसी का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 38 प्रतिशत वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 19,013 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 13,763 करोड़ रुपये रहा था। बीमा क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी के बाद देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का स्थान है, जिसने चौथी तिमाही में 18,643 करोड़ रुपये का लाभ कमाया।

- एलआईसी का शुद्ध लाभ रिकार्ड 38 प्रतिशत बढ़ा

हालांकि, वार्षिक लाभ के मामले में एसबीआई, एलआईसी से आगे रहा। पिछले वित्त वर्ष में एसबीआई ने 70,901 करोड़ रुपये कमाए, जबकि एलआईसी ने 48,151 करोड़ रुपये कमाए। शेयर बाजार पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में कोल इंडिया ने मार्च तिमाही में 9,604 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया, जिसके बाद पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने 8,358 करोड़ रुपये और एनटीपीसी ने 7,897 करोड़ रुपये कमाए।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सूल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑंक्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्घ पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001 फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

डॉ. मनोज अग्रवाला एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

बड़ी राशि के प्रलोभन से शिकार बनाती है सट्टेबाजी साइट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच पर आने वाले आक्रामक वित्तीय प्रोत्साहन और रैपिड-फायर (तत्काल सवाल-जवाब आधारित) सट्टेबाजी उत्पाद, नाबालिगों और कमजोर उपयोगकर्ताओं को अभूतपूर्व रफ्तार से उच्च जोखिम वाले जुए में खींच रहे हैं। इससे ये लोग इन सट्टेबाजी के आदी बन रहे हैं।

एक रिपोर्ट से पता चलता है कि ये मंच, वैध संचालकों द्वारा लगाए जाने वाले 28 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) से मुक्त हैं, जो उपयोगकर्ताओं को अधिक आकर्षक भुगतान और विनियमित साइट पर प्रतिबंधित तत्काल हार-जीत वाले गेम के साथ लुभाते हैं।

मंचों में वार्षिक जमा राशि 100 अरब डॉलर

रिपोर्ट का अनुमान है कि इन अवैध मंचों में वार्षिक जमा राशि 100 अरब डॉलर के करीब है। सीयूटीएस इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट 'फिक्सिंग द ऑड्सः ए पॉलिसी ब्लूप्रिंट फॉर कर्बिंग इलिगल ऑनलाइन गैंबलिंग इन इंडिया' से पता चला है कि अवैध जुआ संचालक युवा वयस्कों, उच्च खर्च करने वालों और विशेष रूप से जुए के नुकसान के प्रति संवेदनशील व्यक्तियों को लक्षित करने के लिए नियामकीय खामियों का फायदा उठा रहे हैं।

एक वर्ष में 15 अवैध जुआ मंच साइट

सीयूटीएस इंटरनेशनल के विश्लेषण के अनुसार, केवल एक वर्ष में शीर्ष 15 अवैध जुआ मंच और उनकी 'मिरर' (वैसी ही दिखने वाली) साइट पर 5.4 अरब से अधिक लॉग-इन हुए, जो समस्या के पैमाने को रेखांकित करता है।

पीएसजी पहली बार बना चैंपियंस लीग चैंपियन

5-0 से इंटर मिलान को रौंदा

20वें, 63वें मिनट में डोए के गोल

70 वर्षों में सबसे बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| म्यूनिख

पेरिस सेंट-जर्मेन ने डिजायर डोए के दो गोल की मदद से शनिवार रात को यहां खेले गए एकतरफा फाइनल में इंटर मिलान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता चैंपियंस लीग का खिताब जीता।

पीएसजी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच बेहतरीन खेल का नजारा पेश किया और इंटर के समर्थकों को आखिरी सिटी बजने से पहले ही स्टेडियम छोड़ने के लिए मजबूर किया। पीएसजी की तरफ से डोए ने 20वें और 63वें मिनट में गोल किए। उनके अलावा अचरफ हकीमी (12वें), ख्विचा क्वारात्सखेलिया (73वें) और स्थानापन्न सेनी मायुलु (86वें) ने एक एक गोल करके पीएसजी की रिकॉर्ड जीत सुनिश्चित की। यह पिछले 70 वर्षों में चैंपियंस लीग के फाइनल में किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

दिग्गज भी नहीं दिला पाए थे ट्रॉफी

पीएसजी के कोच लुई एनरिक ने कहा, 'अब हमारे पास चैंपियंस लीग की ट्रॉफी है। जब मैं पीएसजी से जुड़ा था तो मैंने पहले दिन ही कहा था कि हमारा लक्ष्य चैंपियंस लीग का खिताब जीतना है। यह एकमात्र ट्रॉफी थी जिसे हम अभी तक नहीं जीत पाए थे।' यह वह ट्रॉफी थी जो लियोनेल मेसी, नेमार या किलियन एमबाप्पे भी फ्रांस के इस क्लब को नहीं दिला पाए थे।

स्टेडियम में समर्थकों ने लहराए झंडे

इससे पहले पीएसजी 2020 में चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब वह बायर्न म्यूनिख से हार गया था, जिसके बाद नेमार लिस्बन के खाली स्टेडियम में रो पड़े थे। कोरोना महामारी के कारण तब यह मैच खाली स्टेडियम में खेला गया था। लेकिन इस बार माहौल पूरी तरह से भिन्न था। पीएसजी के हजारों समर्थक स्टेडियम में मौजूद थे। वे झंडे लहरा रहे थे, पटाखे जला रहे थे और अपने प्रतिद्वंद्वियों इंटर के समर्थकों का शोरगुल दबा रहे थे, जिनमें से कई समर्थक अंतिम सीटी बजने से काफी पहले ही स्टेडियम से चले गए थे।

आईपीएल-18

वैभव के शतक...सहित पांच आतिशी पारियां रहेंगी याद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग अपने अंतिम पड़ाव पर है। फाइनल मैच 3 जून को खेला जाना है। इस सीजन भी एक से बढ़कर एक धमाकेदार पारियां देखने को मिली हैं। पिछले कई सालों से ये लीग बल्लेबाजी के शानदार प्रदर्शन का केंद्र रही हैं। पावरप्ले में तूफानी शुरुआत से लेकर डेथ ओवर्स में धमाकेदार फिनिश तक, आईपीएल ने दुनिया के कुछ सबसे विस्फोटक पारियां पेश की हैं। आईपीएल 2025 भी बल्ले से कुछ जबरदस्त प्रदर्शन का गवाह बना है। आइए आपको बताते हैं इस सीजन की कुछ यादगार पारियों के बारे में...

करुण नायर : 40 गेंदों में 89 रन

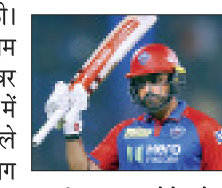

एमआई के खिलाफ मुकाबला करुण नायर का आईपीएल में 2022 के बाद पहला मैच था। डीसी के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरते ही उन्होंने पावरप्ले में शानदार शुरुआत की। जसप्रीत बुमराह को पावरप्ले के अंतिम ओवर में 18 रन ठोक डाले। छह ओवर के अंदर ही उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में अपनी पहली आईपीएल फिफ्टी (पिछले सात सालों में) पूरी कर ली। ऐसा लग रहा था कि वह आईपीएल का पहला शतक भी पूरा कर लेंगे, लेकिन मिचेल सैंटनर की एक बेहतरीन गेंद ने उनकी पारी का अंत कर दिया।

अभिषेक शर्मा : 40 गेंदों में 105 रन

246 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा ने विस्फोटक शुरुआत दी। उन्होंने 19 गेंदों में पचासा पूरा किया। आईपीएल इतिहास में यह उनका तीसरा सबसे तेज अर्धशतक था। उन्होंने 40 गेंदों में शतक पूरा किया।

वैभव सूर्यवंशी : 38 गेंदों में 101 रन

14 वर्षीय सूर्यवंशी ने ईशांत शर्मा के एक ओवर में 26 रन (2 वाइड सहित 28 रन) ठोककर पारी को रफ्तार दी। उन्होंने 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया। करीम जनत के एक ओवर में 30 रन बनाकर उन्होंने 94 के स्कोर तक पहुंच गए। 35 गेंदों में 11 छक्कों के साथ आईपीएल का दूसरा सबसे तेज शतक पूरा किया।

ऋषभ पंत : 54 गेंदों में 118 रन

ऋषभ पंत ने खराब फॉर्म को पीछे छोड़ इस सीजन की अपनी दूसरी फिफ्टी बनाई। 10वें ओवर में 54 गेंदों में शतक पूरा करते ही उनका समरसल्ट जश्न देखने लायक था। उन्होंने 227 का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन आरसीबी ने यह लक्ष्य भी हासिल कर लिया।

प्रियांश आर्य : 49 गेंदों में 110

पंजाब किंग्स के प्रियांश आर्य ने दिल्ली के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी की। पहले ओवर में ही दो छक्के लगाकर उन्होंने आगाज किया था। पावरप्ले खत्म होते ही 75 में से 53 रन उनके बल्ले से निकले थे। उन्होंने 10 गेंदों में छह छक्के लगाकर आईपीएल इतिहास में अनकैप्ड खिलाड़ियों में शतक बनाने वाले आठवें खिलाड़ी बने।

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
759 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
25 विकेट
गुजरात

आईपीएल : बेंगलुरु-पंजाब के बीच 3 जून को होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

बारिश के कारण देर से शुरू हुए आईपीएल 2025 क्वालीफायर-2 मुकाबले में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को हराकर 11 साल बाद फाइनल में जगह बनाई। 3 जून को फाइनल में पंजाब का का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। पंजाब ने मुंबई को पांच विकेट से हराया। पंजाब साल 2014 के बाद पहली बार आईपीएल फाइनल में पहुंची है। वहीं, श्रेयस अय्यर पहले ऐसे कप्तान बने जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों की कप्तानी करते हुए फाइनल में जगह बनाई है।

पंजाब किंग्स ने 11 साल बाद फाइनल में बनाई जगह

अय्यर ने खेली कप्तानी पारी

विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही। जोश इंगलिस और प्रियांश आर्य ने टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। अच्छी लय में दिख रहे जोश इंगलिस (38) को हार्दिक पांड्या ने विकेट के पीछे कैच आउट करवाया।72 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और नेहाल वढेरा ने भार अपने कंधों पर लिया। दोनों के बीच 47 गेंद पर 84 रन की साझेदारी हुई और पंजाब ने मैच में वापसी की। 29 गेंद पर 48 रन बनाकर नेहाल वढेरा अश्वनी कुमार का दूसरा शिकार बने। हालांकि, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 27 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। श्रेयस अय्यर अंत तक खड़े रहे और मैच खत्म करके गए। अय्यर ने नाबाद रहते हुए 41 गेंद पर 87 रन की पारी खेली।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
रोहित का विशाख बो स्टोइनिस	08	07	1	0
बेयरस्टो का इंगलिस बो विशाख	38	24	3	2
तिलक का आर्य बो जैमीसन	44	29	2	2
सूर्यकुमार का वढेरा बो चहल	44	26	4	3
पंड्या का इंगलिस बो उमरजइ	15	13	1	0
धीर का स्टोइनिस बो उमरजइ	37	18	7	0
राज बावा नाबाद	08	04	0	0
मिचेल सेंटनेर नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 203/6
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-44-0, स्टोइनिस 1-0-14-1, उमरजइ 4-0-43-2, विशाख 3-0-30-1, चहल 4-0-39-1, जैमीसन 4-0-30-1.

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
आर्य का पंड्या बो अश्वनी	20	10	2	1
प्रभसिमरन का टॉपली बो बोल्ट	06	09	1	0
इंगलिस का बेयरस्टो बो पंड्या	38	21	5	2
श्रेयस अय्यर नाबाद	87	41	5	8
वढेरा का सेंटनेर बो अश्वन	48	29	4	2
शशांक सिंह रन आउट	02	03	0	0
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 19 ओवर में 207/5
गेंदबाजी : बोल्ट 4-0-38-1, टॉपली 3-0-40-0, बुमराह 4-0-40-0, अश्वनी 4-0-55-2, सेंटनेर 2-0-15-0, पंड्या 2-0-19-1.

खबर संक्षेप

शुभमन के लिए कड़ी परीक्षा इंग्लैंड का दौरा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय चयनकर्ता सबा करीम का मानना है कि आगामी इंग्लैंड दौरा नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए कड़ी परीक्षा जैसा होगा और कप्तान के रूप में उनकी सफलता उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद गिल को कप्तान नियुक्त करके भारत ने टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की।

लवलीना शुरू करेंगी मुक्केबाजी अकादमी

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की अकादमी का उद्घाटन मंगलवार को गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा करेंगे। लवलीना ने कहा, 'यह अकादमी सिर्फ प्रशिक्षण सुविधा से कहीं बढ़कर है। यह एक सपना है जो मैंने खुद और असम के उन अनगिनत युवा लड़कों और लड़कियों के लिए देखा है जो रिंग में उतरना चाहते हैं। लवलीना मुक्केबाजी अकादमी' के साथ मैं ऐसा माहौल बनाना चाहती हूं जहां महत्वाकांक्षी खिलाड़ी न केवल मुक्केबाजी की कला सीखें बल्कि सफल होने के लिए जरूरी जज्बा, अनुशासन और मजबूत आत्मविश्वास भी हासिल करें।'

पहले शीर्ष-75 और फिर शीर्ष-50 में पहुंचना लक्ष्य

अहमदाबाद। भारत की युवा महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी यशस्विनी घोरपड़े ने 2024 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करते हुए इस खेल में तेजी से प्रगति की है और उसी वर्ष वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 100 में शामिल हो गयीं। वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 84वें स्थान पर काबिज घोरपड़े अब पहले शीर्ष 75 और फिर शीर्ष 50 में पहुंचकर अगले वर्ष जापान में होने वाले एशियाई खेलों और 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपना स्थान पक्का करना चाहती है।

टेनिस

जोकोविच की आसान जीत चौथे दौर में पहुंची गॉफ

एजेंसी ▶▶| पेरिस

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर के मुकाबले में क्वालीफायर फिलिप मिसोलिच को 6-3, 6-4, 6-2 से हराने में कोई परेशानी नहीं हुई। रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले जोकोविच लगातार 16वीं बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचे हैं। जोकोविच ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 153 वें नंबर के मिसोलिच जैसे कम रैंक वाले किसी भी खिलाड़ी से कभी नहीं हारे हैं। उन्होंने इस मैच में पूरा दबदबा बनाए रखा।

मिसोलिच के दूसरे सर्विस पर हालांकि जोकोविच सात ब्रेक प्वाइंट हासिल करने के बावजूद एक को भी भुनाने में विफल रहे। इस 38 साल के खिलाड़ी ने अपने से 15 साल छोटे खिलाड़ी के खिलाफ 33 विनर्स की तुलना में सिर्फ 14 गलतियां कीं। जोकोविच के सामने अंतिम 16 में कैम नौरी होंगे। नौरी के खिलाफ जोकोविच का रिकॉर्ड 5-0 का है।

आन्द्रिवा, कीज आगे बढ़ीं

रूस की मीरा आन्द्रिवा भी चौथे दौर में पहुंचने में सफल रहीं। इस 18 की खिलाड़ी के सामने अब 17वें नंबर की डारिया कसात्किना की चुनौती होगी। विश्व रैंकिंग में 70वें स्थान पर काबिज अमेरिका की हेली बैपटिस्ट पहली बार ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में पहुंचने में सफल रहीं। जेसिका बौजास मानेरो को 7-6, 6-1 से हराने वाली इस खिलाड़ी को अब मैडिसन कीज की चुनौती से निपटना होगा। कीज ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए सोफिया केनिन को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराया

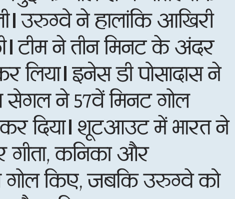

नई दिल्ली। भारत ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों की जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में उरुग्वे पर शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की। इससे पहले निर्धारित समय में यह मुकाबला 2-2 की बराबरी पर छूटा था। भारत के लिए उप-कप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने मैच के निर्धारित समय में गोल किये जबकि जबकि गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने मैच की आक्रामक शुरुआत के साथ दबदबा कायम किया। हिना ने 10वें मिनट में खाता खोला जबकि लालरिनपुई के गोल से मध्यांतर तक भारत ने 2-0 की बढ़त बना ली। उरुग्वे ने हालांकि आखिरी क्वार्टर में शानदार वापसी की। टीम ने तीन मिनट के अंदर दो गोल कर स्कोर बराबर कर लिया। इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट जबकि मिलाग्रोस सेगल ने 57वें मिनट गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा और गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे को केवल एक ही गोल करने का मौका मिला।

गुकेश को हार से नुकसान एरिगैसी जीत से नंबर-4 पर

एजेंसी ▶▶| स्टावेंजर

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी रहा और यह भारतीय खिलाड़ी चीन के वेई यी से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारकर संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गया। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा।

■ गुकेश को हार से नुकसान, एरिगैसी जीत से नंबर-4 पर

गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फैबियानो कारूआना के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल कर अपने अंकों की संख्या 9.5 पर पहुंचा दी। महिला वर्ग में, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ टाई-ब्रेक जीत के बाद 8.5 अंकों के साथ बढ़त हासिल की,

मेसी ने दागा दो गोल इंटर मियामी ने कोलंबस क्रू को 5-1 से हराया

फोर्ट लॉडरडेल। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को दो गोल कर इंटर मियामी की एमएलएस में कोलंबस क्रू पर 5-1 की जीत में अहम योगदान दिया। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान मेसी ने मैच में नौ मिनट (15वें और 24वें) के अंदर दो गोल करने के साथ ही दो गोल में सहायक की भूमिका निभाई जिससे पिछले सप्ताह तक खराब दौर से गुजर रही मियामी ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

जेवियर मार्शल को पीछे छोड़ा, 20 साल पहले बनाया था रिकॉर्ड

एंड्रयू ने 18 साल की उम्र में वेस्टइंडीज के लिए किया डेब्यू

एजेंसी ▶▶| कार्डिफ

वेस्टइंडीज के ज्वेल एंड्रयू ने इतिहास रच दिया। रविवार को कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के लिए वनडे में ओपनिंग करने उतरे। वह वेस्टइंडीज के लिए 18 वर्ष की उम्र में ओपनिंग करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने जेवियर मार्शल को पीछे छोड़ा। वेस्टइंडीज तीन मैच की सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर है।

पहले वनडे मैच में हार झेलने के बाद वेस्टइंडीज के लिए यह मुकाबला जीतना बेहद जरूरी है। दूसरे वनडे मैच से पहले अनुभवी बल्लेबाज एविन लुईस चोटिल हो गए। इसके चलते युवा बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को खेलने का मौका मिला। वेस्टइंडीज के लिए मात्र तीसरा वनडे खेलने रहे ज्वेल एंड्रयू जब ब्रैंडन किंग के साथ ओपनिंग करने आए तो इस 18 साल के खिलाड़ी ने इतिहास रच दिया। वह वेस्टइंडीज के लिए वनडे में ओपनिंग करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। उन्होंने जेवियर मार्शल का 20 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

वनडे के सबसे युवा ओपनर

खिलाड़ी	उम्र	बनाम	वर्ष
ज्वेल एंड्रयू	18 वर्ष, 176 दिन	इंग्लैंड	2025
जेवियर मार्शल	19 वर्ष, 47 दिन	द.अफ्रीका	2005
किरन पॉवेल	19 वर्ष, 147 दिन	बांग्लादेश	2009
एड्रियन बराथ	19 वर्ष, 324 दिन	जिम्बाब्वे	2010

टी20 में बराथ के नाम रिकॉर्ड

बता दें कि एड्रियन बराथ 19 साल और 320 दिन की उम्र में टी20 में वेस्टइंडीज के सबसे युवा सलामी बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल रिकॉर्ड रॉबिन बायनो के नाम है, जिन्होंने 1941 में पैदा होने के बाद 1959 में लाहौर में पाकिस्तान के खिलाफ 18 साल 31 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। एंड्रयू 2024 में वेस्टइंडीज की अंडर-19 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे। इसके कुछ ही महीनों के भीतर ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिल गई। हालांकि, 18 साल के खिलाड़ी को अभी यह दिखाना बाकी है कि उसे वेस्टइंडीज की राष्ट्रीय टीम में क्यों चुना गया है।

यहां पहुंचने के 5 सेकंड बाद हो जाएगी मौत, डायमंड में बदल जाएगा शरीर

लंदन। सदियों से ब्रह्मांड लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करता आ रहा है। साथ ही जैसे-जैसे वैज्ञानिक ब्रह्मांड को लेकर नई-नई जानकारियां लेकर आ रहे हैं, वैसे-वैसे दिलचस्पी और बढ़ जाती है। ब्रह्मांड के बारे में काफी जानकारियां बड़े-बड़े टेलीस्कोप के जरिए हासिल की जाती हैं। जमीन और अंतरिक्ष दोनों से ब्रह्मांड को देखने के लिए टेलीस्कोप बनाए हैं। हमारी धरती इकलौती ऐसी जगह है जहां जिंदगी पाई गई है। हालांकि अब सवाल यह उठता है कि क्या हम ब्रह्मांड में अकेले हैं। चलिए जानते हैं और कुछ दिलचस्प जवाब तलाश करते हैं।

कोई ठोस सतह भी नहीं

यूरेनस को लेकर कहा जाता है कि इसमें हाइड्रोजन सल्फाइड, हीलियम और मीथेन जैसे गैसें पाई जाती हैं। इसके अलावा यहां की बदबू भी बहुत बुरी, यहां तक कि असहनीय भी कहा जा सकता है। साथ ही यूरेनस पर कोई ठोस सतह भी नहीं है। अगर सोचें कि ऐसे हालात में अगर किसी इंसान को यह ग्रह पर भेज दिया जा क्या होगा? इसका सीधा जवाब यह है कि यहां पहुंचने के सिर्फ 5 सेकंड में मौत हो जाएगी।

सूरज का 7वां ग्रह है यूरेनस

कहने को तो हमारे सौर मंडल में कुल ग्रहों की तादाद 8 है, लेकिन पृथ्वी के अलावा किसी भी ग्रह पर जिंदगी मुमकिन नहीं है। वैज्ञानिकों को लगता है कि मंगल ग्रह पर कभी जिंदगी थी लेकिन अब नहीं है। इसी सौरमंडल में एक और नीला ग्रह भी है और जिसे यूरेनस कहा जाता है और जो सूरज का 7वां ग्रह है। कहा जाता है कि यह दिखने में इसलिए नीला है, क्योंकि इसकी हवा में मीथेन पाई जाती है और यह बहुत जहरीला भी है।

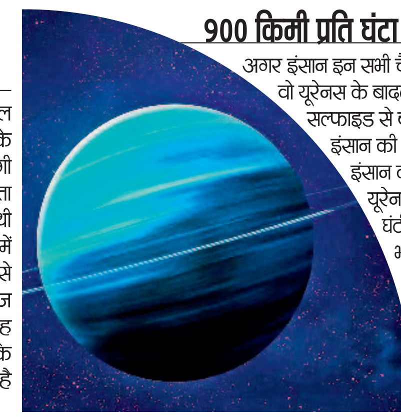

900 किमी प्रति घंटा रफ्तार से चलती हैं हवाएं

अगर इंसान इन सभी चैलेंजेज को पार करता है तो फिर वो यूरेनस के बादलों में घुसेगा, जो हाइड्रोजन सल्फाइड से बने हैं। इन बादलों में घुसते ही इंसान की तुरंत मौत हो जाएगी। इसके बाद इंसान की बॉडी गैसों में तैरने लगेगी। यूरेनस की हवाएं 900 किलोमीटर प्रति घंटी की रफ्तार चलती हैं जो धरती के भयंकर तूफानों से भी कई गुना तेज है। यूरेनस के अंदरूनी हिस्सों में इतनी ज्यादा दबाव होती है कि मीथेन गैस हीरे में बदल जाती है। इंसान का शरीर दबकर चकनाचूर हो जाएगा और शायद उसके कार्बन से भी हीरा बन जाए।

इस गांव में 40 साल से नहीं गूंजी किलकारी

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में घने जंगलों के बीच एक अद्भुत गांव है। अद्भुत इसलिए, क्योंकि यहां पिछले 40 साल से किसी बच्चे की किलकारी नहीं गूंजी, मतलब किसी बच्चे का जन्म ही नहीं हुआ। जिला मुख्यालय से करीब 90 किलोमीटर दूर भुईमाड़ क्षेत्र का हाराई गांव अपनी रहस्यमयी मान्यता को लेकर चर्चा में रहता है। इस गांव में खैरवार समाज के लोग निवास करते हैं। मान्यता है कि गांव की ग्राम देवी 'अंगरा देवी' की नाराजगी के कारण गांव में संतान जन्म नहीं लेती।

तापमान बढ़ने से पिघल जाएगी हिमालय की 75 फीसदी बर्फ

लंदन। एक नए वैज्ञानिक अध्ययन के बाद मानव जीवन के लिए एक गंभीर चेतावनी जारी की गई है। इस स्टडी के शोध में दावा किया गया है कि अगर वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक बढ़ जाता है, तो हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र अगले 75 सालों में यानी 2099 तक अपने ग्लेशियर की बर्फ का 75 फीसदी हिस्सा खो सकता है। यह विशाल इलाका प्रमुख नदी प्रणालियों का प्राथमिक स्त्रोत है। ये ग्लेशियल एशिया महाद्वीप में रह रहे करीब 200 करोड़ लोगों का भरण-पोषण करते हैं।

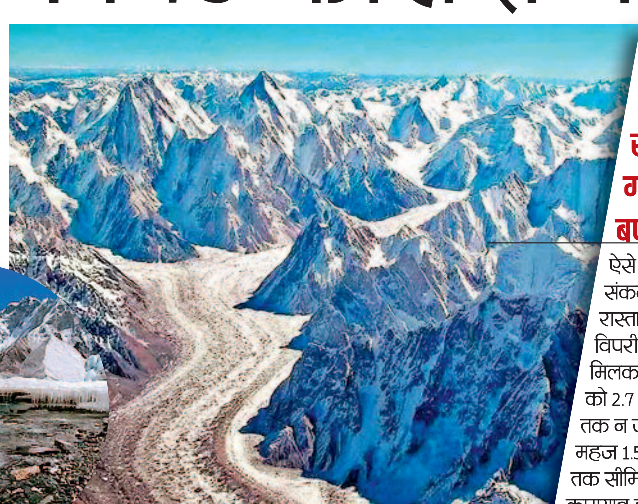

खतरा कैसे टलेगा?

वैश्विक ग्लेशियरों को लगातार हो रहे नुकसान का खतरा गर्मी बढ़ने के साथ और भी गहराता और बदतर होता जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अगर धरती का तापमान मात्र 2.7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है, जो कि वर्तमान जलवायु नीतियों के तहत पहले से अनुमानित है तो ग्लेशियरों की बर्फ का 24 फीसदी से ज्यादा हिस्सा नहीं बचेगा। यानी 75 फीसदी बर्फ पिघल जाएगी तो इंसानों के जीवन पर जल संकट मंडराने लगेगा. लोगों को पीने के लिए पानी नहीं मिलेगा. फसलों को पानी नहीं मिलेगा वहीं पीने का पानी न मिलने से लोग मरने लगेंगे। हालांकि ये साइंस जर्नल के हिसाब से अभी सिर्फ अनुमान है हम इसकी पुष्टि नहीं करते हैं।

प्यासे मर जाएंगे लोग?

जर्नल साइंस में प्रकाशित निष्कर्ष पेरिस समझौते के लक्ष्यों के तहत वार्मिंग को सीमित करने के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। स्डटी की रिपोर्ट ये भी बताती है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाता है, तो इस सूरत में हिमालय और काकेशस में ग्लेशियर की बर्फ का 40 से 45 फीसदी हिस्सा अभी भी बचाया जा सकता है।

कैसे हुई स्टडी?

स्टडी से जुड़ी टीम का दावा है कि वैश्विक तापमान स्थिर हो जाए तो भी ग्लेशियर का नुकसान जारी रहेगा। 10 देशों के 21 वैज्ञानिकों की टीम ने ग्लोबल वार्मिंग के विभिन्न परिदृश्यों के तहत 2 लाख से अधिक ग्लेशियरों की स्टडी का आकलन करने के लिए 8 ग्लेशियर मॉडल का यूज किया। स्टडी की रिपोर्ट उस समय आई, जब दुशांबे में ग्लेशियरों पर संयुक्त राष्ट्र का पहला सम्मेलन चल रहा है, जिसमें 50 से अधिक देश भाग ले रहे हैं।

स्कैंडिनेविया पूरी तरह से खो सकता है ग्लेशियर की बर्फ

ऐसे में 75 साल वाले संकट से बचने का रास्ता ये है कि इसके विपरीत, यदि हम सब मिलकर वैश्विक तापमान को 2.7 डिग्री सेल्सियस तक न जाने दें और इसे महज 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने में कामयाब हो जाएं तो हम दुनिया भर में ग्लेशियर के मौजूदा द्रव्यमान का 54 फीसदी हिस्सा बचा सकते हैं। इससे प्राकृतिक आपदा में इंसानों की मास किलिंग का खतरा टल जाएगा। यूरोपीय आल्प्स, उत्तरी अमेरिकी रॉकीज़ और आइसलैंड जैसे क्षेत्र जो मानव आबादी के लिए महत्वपूर्ण हैं, वो खासकर ज्यादा कमजोर हैं। 2 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर, इस क्षेत्र के ग्लेशियरों में मौजूद बर्फ का 10 से 15 फीसदी ही बचने का अनुमान लगाया गया है। चिंताजनक बात ये है कि स्कैंडिनेविया पूरी तरह से ग्लेशियर की बर्फ खो सकता है।

भारत में यहां पर है 500 साल से ज्यादा पुरानी ममी

नई दिल्ली। मिस्र की ममी के बारे में आपने कई कहानियां पढ़ी और सुनी होंगी। लेकिन, क्या आप हिमाचल प्रदेश में रखी ममी के बारे में जानते हैं? प्रदेश के गयू गांव में एक 550 साल से ज्यादा पुरानी ममी रखी गई है। लामा ने साधना में लीन होते हुए अपने प्राण त्याग दिए थे। तेनजिंग बैठी हुई अवस्था में थे। उस समय उनकी उम्र मात्र 45 साल थी। दुनिया में यह एकमात्र ममी है जो बैठी हुई अवस्था में है। इस ममी की वैज्ञानिक जांच में इसकी उम्र 550 साल पाई गई है। ममी बनाने में एक खास किस्म का लेप मृत शरीर पर लगाया जाता है, लेकिन इस ममी पर किसी किस्म का लेप नहीं लगाया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com